केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450] 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 125 शुक्रवार 27 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

भाजपा ने मनाया संविधान गौरव दिवस



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी द्वारा 26 नवंबर को संविधान गौरव दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम एवं महिला मोर्चा की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में भारतीय संविधान की महत्ता, लोकतांत्रिक आदर्शों, सामाजिक समरसता तथा राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को मजबूत बनाने पर चर्चा की गई। साथ ही महिला मोर्चा को मंडल एवं बूथ स्तर तक सशक्त बनाने और महिला कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर विचार–विमर्श हुआ।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। यह दिवस प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है।

महिला मोर्चा की बैठक में जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने कहा कि संगठन की मजबूती में महिला शक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाओं की सक्रिय सहभागिता के बिना सशक्त समाज और मजबूत संगठन की कल्पना अधूरी है। महिला मोर्चा की कार्यकर्ता सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती मंजू श्रीवास्तव ने कहा कि प्रत्येक मंडल एवं बूथ पर महिला मोर्चा को सक्रिय बनाना प्राथमिकता है। अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ने और उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अमृत वर्मा ने किया। इस अवसर पर गजेंद्र सिंह, सुमन सिंह, अखंड सिंह, दिलीप पांडेय, शिवानी सिंह, नीरज त्रिपाठी, संध्या दीक्षित, दुष्यंत सिंह, मीना पांडेय, सुधाकर पांडेय, प्रांजलि श्रीवास्तव, वैष्णवी मिश्रा, दीपक उपाध्याय, अजय श्रीवास्तव एवं आदित्य शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर पंचायत नगर में बनेगा संविधान द्वार



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आदर्श नगर पंचायत नगर में देश का पहला संविधान द्वार बनाया जाएगा। अटल नगर वार्ड में बनने वाला यह द्वार आदर्श नगर पंचायत कार्यालय अटल भवन को जोड़ेगा। गुरुवार को अटल भवन के अमर बलिदानी राजा उदय प्रताप नारायण सिंह सभागार में आयोजित संविधान गौरव दिवस पर नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने यह घोषणा किया। कहा कि भारतीय संविधान हम सभी देशवासियों के लिए एक मार्गदर्शक दस्तावेज है। यह हमें समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व का संदेश देता है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी ने संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर देश को एक मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रदान किया। उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि हम सभी का दायित्व है कि संविधान में निहित मूल्यों का सम्मान करें और अपने अधिकारों के साथ–साथ कर्तव्यों का भी पूरी निष्ठा से पालन करें। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है। अधिशासी अधिकारी श्रीमती सृष्टि सिंह ने कहा कि संविधान हमें बिना किसी भेदभाव के समान अवसर, सामाजिक न्याय और सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार देता है।

सपा ने जारी किया घोषणा पत्र, युवाओं को बेरोजगारी भत्ता, पुरानी पेंशन बहाली का वादा

लखनऊ (आभा)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को संविधान दिवस के अवसर पर पार्टी का चुनावी घोषणा–पत्र जारी किया। सपा ने युवाओं को हर महीने पांच हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही है।अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर पुरानी पेंशन योजना बहाल की जाएगी।

अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार बनने पर गुंडागर्दी, माफियागिरी, जमीनों पर अवैध कब्जे, अवैध वसूली, धमकाने और महिलाओं



के खिलाफ अपराधों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, "अपराधी चाहे किसी भी जाति का हो, किसी भी धर्म का हो या किसी भी पार्टी का हो, उसे जेल भेज दिया जाएगा।"

अखिलेश यादव ने बुनियादी ढांचे के विकास का जिक्र करते हुए कहा कि तहसील स्तर को भी फोरलेन सड़कों से जोड़ा जाएगा। लखनऊ के गोमती रिवरफ्रंट का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह आज भी देश का सबसे बेहतरीन रिवरफ्रंट है। उन्होंने कहा कि यदि रिवरफ्रंट का काम एक किलोमीटर और पूरा हो गया होता तो यह पहली नदी होती, जो शहर के भीतर साफ बहती।

शिवम श्रीवास्तव सचिन समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव मनोनीत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव ने शहर के बेलवाडाडी निवासी शिवम श्रीवास्तव सचिन को लोहिया वाहिनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया है। सपा जिलाध्यक्ष और सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने शिवम श्रीवास्तव को मनोनयन पत्र देते हुये पार्टी को मजबूत करने की दिशा में जुट जाने का आवाहन किया।

शिवम श्रीवास्तव सचिन को लोहिया वाहिनी का राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किये जाने पर सांसद राम प्रसाद चौधरी, विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी अतुल, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, दयाशंकर मिश्र, मो. सलीम, मो. रवालेह, जावेद



पिण्डारी, गीता भारती, विवेक सिंह, शनी सिंह, अभिषेक चौधरी, राजन, के.सी. चौधरी, चन्दन त्रिपाठी, बन्टी कुमार, जितेन्द्र चौधरी, देवेन्द्र श्रीवास्तव, मिन्टू श्रीवास्तव, मिथलेश श्रीवास्तव, प्रशान्त यादव, के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

151 पुलिसकर्मियों का तबादला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । एसपी के आदेश आदेश के तहत 151 पुलिसकर्मियों का तबादला किया गया। इनमें 12 थाना प्रभारी और 7 चौकी प्रभारी शामिल हैं। एक तबादला आदेश निरस्त भी किया गया है। तबादला सूची में निरीक्षक, उपनिरीक्षक, मुख्य आरक्षी और आरक्षी शामिल हैं। रुधौली के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार दुबे को लालगंज का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। पुरानी बस्ती के अतिरिक्त निरीक्षक गोविन्द कुमार को हरैया थाने की जिम्मेदारी दी गई है।

कोतवाली के अतिरिक्त निरीक्षक सभाजीत सिंह को वाल्टरगंज का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। परसरामपुर के थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह को रुधौली, कप्तानगंज के थानाध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव को दुबौलिया और सोनहा के थानाध्यक्ष महेश सिंह को परसरामपुर भेजा गया है।

एंटी थेफ्ट टीम के प्रभारी भानू प्रताप सिंह को पुरानी बस्ती और गौर के थानाध्यक्ष अतुल कुमार अंजान को कप्तानगंज भेजा गया है। बड़ेबन चौकी प्रभारी अमित कुमार को गौर और दुबौलिया के थानाध्यक्ष जीवन त्रिपाठी को सोनहा की जिम्मेदारी मिली है। घघौवा चौकी प्रभारी महेश कुमार शर्मा को पैकोलिया भेजा गया है। अमहट चौकी प्रभारी महिला उपनिरीक्षक अनुपम त्यागी को महिला थानाध्यक्ष बनाया गया है। पुलिस लाइन और थानों के बीच 7 उपनिरीक्षकों का भी तबादला हुआ है। सोनूपार, बड़ेबन, घघौवा, अमहट और मनौरी चौकियों के प्रभारी बदले गए हैं।

सूची में 132 मुख्य आरक्षी, आरक्षी और महिला आरक्षियों के नाम भी हैं। उन्हें अलग–अलग थानों, पुलिस लाइन, एंटी रोमियो स्क्वायड और क्षेत्राधिकारी कार्यालयों में तैनाती दी गई है।

काउंसलिंग से पदोन्नति की मांग को लेकर बीएसए कार्यालय पर शिक्षकों का अनिश्चितकालीन अनशन शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ला के नेतृत्व में गुरुवार को परिषदीय शिक्षकों की पदोन्नति काउंसलिंग के माध्यम से कराए जाने की मांग को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया गया।

संगठन के पदाधिकारी मारूफ खान, कृष्ण बिहारी पाण्डेय, नवीन कुमार चौधरी, रवि प्रताप सिंह तथा सीता शुक्ला अनशन पर बैठे । धरना प्रारंभ होते ही जिला संगठन के पदाधिकारियों ने पाँचों अनशनकारियों को माला पहनाकर, पूरे सम्मान के साथ अनशन पर बैठाया। पूरा परिसर शिक्षक एकता के नारों से गूंज उठा।

अनशन स्थल से अपने संबोधन में जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ला ने कहा कि इतिहास साक्षी है, जब–जब शिक्षकों को भ्रमित किया गया है, तब–तब परिणाम भयंकर हुआ है। फिर वही पुनरावृत्ति होने जा रही है। इतिहास साक्षी है, जब–जब संगठन की दरी बिछी है, तब–तब नया इतिहास रचा गया है। जब–जब शिक्षकों के हक को दबाने का प्रयास किया गया है, तब–तब संगठन ने दरी बिछाकर, एकजुट होकर, अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ी है और जीत का परचम



—संगठन की दरी बिछी, तो इतिहास फिर करवट लेगा— उदयशंकर शुक्ल

लहराया है। उसी क्रम में 11 साल बाद फिर वही पुनरावृत्ति हो रही है। आज फिर संगठन की दरी बिछी है, आज फिर शिक्षक एक मंच पर आए हैं, और आज फिर नया इतिहास रचने का समय आ गया है। पदोन्नति हमारे लिए कोई सामान्य मांग नहीं है। पदोन्नति हमारे जीवन और मरण का सवाल है। यह हमारे सम्मान का सवाल है, हमारे भविष्य का सवाल है, हमारे वर्षों की तपस्या, सेवा और समर्पण का सवाल है। हम किसी के सामने झुकने नहीं आए हैं, हम अपना अधिकार लेने आए हैं। हम शांति से, अनुशासन से, लेकिन पूरी दृढ़ता और संकल्प के साथ बैठे हैं।यदि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अपने हठ को छोड़कर काउंसलिंग के माध्यम से पदोन्नति का आदेश जारी नहीं करेंगे, तो यह अनिश्चितकालीन अनशन जारी रहेगा। जरूरत पड़ी तो इस अनशन को आमरण अनशन में भी बदला जाएगा।

कहा कि कुछ बिचौलियों द्वारा पदोन्नति में बाधा उत्पन्न की जा रही है, लेकिन उनकी यह साजिश किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने दी जाएगी। काउंसलिंग के माध्यम से ही पदोन्नति कराई जाएगी यही हमारा संकल्प है, यही हमारा अंतिम फैसला है। जब तक आदेश जारी नहीं होगा, तब तक यह दरी नहीं उठेगी, तब तक यह अनशन नहीं टूटेगा।

शिक्षकों की पदोन्नति काउंसलिंग के माध्यम से कराए जाने की मांग को लेकर शुरू हुये अनशन के दौरान राघवेन्द्र प्रताप सिंह, अभय सिंह यादव, शिवम शुक्ला, कन्हैया प्रसाद भारती, सौरभ तिवारी, अरुण कुमार पाण्डेय, प्रणव मिश्रा, राम मोहन उपाध्याय, गिरजेश कुमार उपाध्याय, राम नारायण मिश्र, ओंकार उपाध्याय, राम हरख चौहान, विवेकानंद, विनोद यादव, लालेन्द्र कनौजिया, वैभव कनौजिया, राजीव पाण्डेय,, चंद्रिका सिंह, स्कंद मिश्रा, योगेश्वर शुक्ला, सुशील उपाध्याय, सौरभ मिश्रा, चंद्रशेखर शर्मा, शैल शुक्ला, सतीश शंकर शुक्ला, सुनील पाण्डेय ने भी एक स्वर में कहा काउंसलिंग से ही पदोन्नति होगी, अन्यथा संघर्ष और तेज होगा।यह जानकारी देते हुये संघ के जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ला ने बताया कि अनशन में विपिन तिवारी, विक्रांत दुबे, आनंद कुमार दुबे, अभिषेक उपाध्याय, राघवेन्द्र सिंह, रुसीला दिवाकर, महारानी, लाल कुवर, कृष्ण कुमार सियाराम वर्मा गिरजा शंकर प्रेम शिला, देवी किरण देवी योगेश्वर शुक्ला, सुशील कुमार उपाध्याय, ज्ञानेन्द्र सिंह, संदीप कुमार, बद्री विशाल पाण्डेय के साथ ही संघ के अनेक पदाधिकारी और शिक्षक शामिल रहे।

संविधान दिवस और किसान आन्दोलन के 6 वर्ष पूरा होने पर भाकियू ने मण्डलायुक्त कार्यालय पर शुरू किया धरना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को संविधान दिवस और किसान आन्दोलन के 6 वर्ष पूरा होने पर भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर मण्डल अध्यक्ष जयराम चौधरी के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, किसानों, मजदूरों ने मण्डलायुक्त कार्यालय के समक्ष राष्ट्रीय और स्थानीय समस्याओं के निस्तारण, गन्ना मूल्य 600 रूपया प्रति क्विंटल किये जाने आदि की मांगों को लेकर धरना दिया गया। देर शाम तक किसान अपनी मांगों को लेकर अड़े रहे, धरना दूसरे दिन भी जारी रहेगा और सहमति बनने के बाद राष्ट्रपति और मण्डलासयुक्त को ज्ञापन सौंपा जायेगा।

भाकियू बस्ती जिलाध्यक्ष विनोद चौधरी, संतकबीरनगर जिलाध्यक्ष प्रेमनाथ उर्फ गुड्डू चौधरी, सिद्धार्थनगर जिलाध्यक्ष उपेन्द्र यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष सुभाष चन्द्र किसान, ब्रम्हादीन, शोभाराम ठाकुर, डा. आर. पी. चौधरी, दीवानचन्द पटेल, कन्हैया चौधरी आदि ने कहा कि खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल और मजदूरी की



—गन्ने का मूल्य 600 रूपया प्रति क्विंटल करने की मांग

लागत लगातार बढ़ रही है ऐसे में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलना चाहिए। कहा कि गन्ने का मूल्य 600 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने और किसानों के बकाया गन्ना मूल्य का ब्याज सहित तत्काल भुगतान दिलाया जाय। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार बकाया भुगतान सुनिश्चित कराया जाय। वक्ताओं ने किसानों को फसलों का उचित मूल्य दिलाने, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी देने और मजदूरों के हितों की रक्षा, भारत–अमेरिका मुक्त व्यापार समझौता नहीं करने सहित कई प्रमुख मुद्दे उठाये।

भाकियू नेता राम प्रताप, सत्य प्रकाश दूबे, हृदयराम यादव, सूर्य प्रकाश चौधरी, रमेश, स्वामीनाथ, त्रिवेनी चौधरी आदि ने कहा कि बस्ती मण्डल के सभी शहीद स्थलों का सुंदरीकरण और विकास कराया जाय। विशेष रूप से बहादुरपुर ब्लॉक के जसईपुर स्थित शहीद स्थल का विकास कराने पर जोर दिया गया । जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल योजना की व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने और पाइपलाइन बिछाने के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराया जाय।

धरने में सन्तोष ओझा, बुद्धिराम, राम सूरत चौधरी, रामसागर, कृष्ण चन्द्र, बगेदू चौहान, घनश्याम मिश्र, विमल कुमार, रामचन्दर सिंह, जगदीश प्रसाद, गंगाराम, परशुराम शर्मा, रामफेर, महाबीर, रामनयन निषाद, रामभजन, कलावती, सीतारास, विजय बहादुर, सुभावती देवी, राधेश्याम, रामचरित्र, राम सुरेमन के साथ ही बस्ती मण्डल के अनेक भाकियू पदाधिकारी, कार्यकर्ता, किसान, मजदूर शामिल रहे।

यूपी में अब सिफारिश पर नहीं योग्यता से मिलती है नौकरी



लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को केंद्र सरकार की हाई पावर्ड टास्क फोर्स (एचपीटीएफ) के अध्यक्ष नंदन नीलेकणि एवं सदस्यों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। उत्तर प्रदेश में पारदर्शी परीक्षाओं की कार्यप्रणाली और परीक्षा सुधारों से संबंधित जानकारी का अध्ययन करने आए टास्कफोर्स के साथ मुख्यमंत्री ने प्रदेश की भर्ती एवं परीक्षा प्रणाली में किए गए व्यापक सुधारों पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी सरकार की मंशा पहले ही दिन से साफ है। हमने उत्तर प्रदेश के युवाओं को शुचितापूर्ण व पारदर्शी परीक्षा के साथ निष्पक्ष नियुक्ति की प्रक्रिया सुनिश्चित की है। अब युवा उत्तर प्रदेश में परीक्षा व नौकरी को लेकर कहीं सिफारिश नहीं करता, बल्कि वह अपनी काबिलियत के बल पर नौकरी हासिल करता है। हमारा मानना है कि अच्छे लोगों का चयन अच्छे परिणाम लाता है। यदि अच्छे लोग आएंगे तो परिणाम भी सुखद होंगे और नए भारत के नए उत्तर प्रदेश को विकसित व आत्मनिर्भर बनाने में हमें सफलता मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए केवल परीक्षा आयोजन की व्यवस्थाओं को ही मजबूत नहीं किया गया है, बल्कि सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं पर भी नियमित निगरानी रखी जाती है। इसके लिए संबंधित आयोगों और भर्ती बोर्डों के साथ पुलिस तंत्र भी सक्रिय रहता है। यदि कोई व्यक्ति परीक्षा या भर्ती प्रक्रिया को लेकर भ्रामक सूचना प्रसारित करता है तो उससे संबंधित आरोपों के प्रमाण और दस्तावेज मांगे जाते हैं। यदि उसके पास प्रमाण उपलब्ध हैं तो सरकार नियमानुसार कार्रवाई करती है। वहीं, अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध भी आवश्यक कार्रवाई की जाती है।

संविधान में देश की आत्मा बसती है, अधिवक्ताओं ने किया विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरुवार को संविधान दिवस पर जनपद में अनेक आयोजन किये गये, इसी कड़ी में वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के महामंत्री एवं कमिश्नर कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा, महामंत्री शब्बीर अहमद के संयोजन में संविधान दिवस के महत्व पर व्यापक विमर्श किया गया।

वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि संविधान अधिवक्ताओं के लिये गीता और कुरान की तरह पवित्र है। संविधान के द्वारा



ही नागरिकों को अनेक अवसर और मौलिक अधिकार प्राप्त है।

महामंत्री शब्बीर अहमद ने कहा कि भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है और इसकी प्रस्तावना 'हम भारत के लोग' में देश के नागरिकों की आत्मा बसती है।

अधिवक्ता बालकृष्ण चौधरी, प्रभात कुमार सिंह, सन्नी सिंह, संजय कुमार पाण्डेय, कृष्णचन्द्र पाण्डेय, लालजी पाण्डेय, नेबूलाल चौधरी, श्रीमती मिथलेश शुक्ला, समिति के अध्यक्ष बी.एन. शुक्ल आदि ने कहा कि अनेक उतार चढावों के बीच भारत का लिखित संविधान मार्ग दर्शक की भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में दीनानाथ यादव, गणेश प्रसाद, सामईन फारूकी के साथ ही अनेक लोग शामिल हैं।

संविधान दिवस पर बाम दलों ने राष्ट्रपति को भेजा 7 सूत्रीय ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरुवार को संविधान दिवस के अवसर पर बाम दलों के नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को 7 सूत्रीय ज्ञापन भेजा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला सचिव का. अशर्फीलाल, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी जिला सचिव शेषमणि और सीपीआई माले संयोजक का. रामलौट के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता लोहिया मार्केट स्थित माकपा कार्यालय पर एकत्र हुये और संविधान के समर्थन में नारा लगाते हुये डीएम कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपा। इसी कड़ी में मिडडे मिल रसोईया कर्मचारी यूनियन द्वारा अध्यक्ष उर्मिला देवी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को 13 सूत्रीय और बीएसए को 9 सूत्रीय ज्ञापन देकर रसोईयों का मानदेय 3 हजार की जगह 26 हजार रुपये प्रति माह किये जाने की मांग किया गया।

ज्ञापन सौपने के बाद माकपा सचिव का. अशर्फीलाल ने कहा कि बिना सर्वसम्मति के एसआईआर का फैसला लिया गया और मुख्य चुनाव आयुक्त ने इस प्रक्रिया को काफी कठिन बना दिया। इसके चलते मतदाताओं को अपनी पात्रता साबित करने के लिए कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। पार्टी ने दावा किया कि 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम सूची में शामिल होने से रह गए। यह स्थिति स्वस्थ लोकतंत्र के विरूद्ध है।



माकपा सचिव का. शेषमणि ने आरोप लगाया कि एसआईआर की पूरी प्रक्रिया सत्ताधारी पार्टी के हित में की गई, जबकि विपक्षी दलों और कई नागरिक संगठनों ने एसआईआर प्रक्रिया और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए थे।

सीपीआई माले संयोजक का. रामलौट ने कहा कि चुनाव आयोग के प्रति जनता में पैदा हुए अविश्वास के कारण देशभर में आंदोलन की स्थिति बनी है। वहीं, छूटे हुए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए दोबारा प्रक्रिया कराई जा रही है, लेकिन आयोग के प्रति लोगों का असंतोष बना हुआ है।

राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में चुनाव आयोग पर जनता का विश्वास बहाल करने के लिए सात प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें अवैध एसआईआर को रद्द करने, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित कानून को रद्द करने की मांग शामिल है। इसके अलावा चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता बनाए रखने, चुनाव सुधार लागू करने, धनबल और बाहुबल पर रोक लगाने तथा चुनाव में अनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली लागू करने की मांग की गई है। पार्टी ने यह भी कहा है कि चुनाव का पूरा खर्च सरकारी कोष से होना चाहिए।

ज्ञापन के माध्यम से बाम दलों ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव आयोग की निष्पक्षता बेहद जरूरी है और जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए इन मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

ज्ञापन सौपने के दौरान मुख्य रूप से का. सतिराम, रेनू बाला, नरसिंह भारद्वाज, नवनीत यादव, उर्मिला चौधरी, विद्यामती, विमला, रेनू देवी, ध्रुवचन्द्र, शंकरदास, सन्तोष यादव, रामनिरंजन, शिवचरन, श्याम मनोहर, रामदयाल, विफईराव, नेबूलाल, रामगढी चौधरी, रामनीरख यादव के साथ ही अनेक लोग शामिल रहे।

विधायक अजय सिंह ने किया अम्बेडकर प्रतिमा स्थलों के सौंदर्यीकरण का शिलान्यास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। संविधान दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लखनऊ से पूरे प्रदेश में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर मूर्ति विकास योजना के तहत प्रतिमा स्थलों के सुंदरीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का शुभारंभ किया। प्रदेशव्यापी इस अभियान के क्रम में हरैया विधानसभा क्षेत्र में भी विकास की पहल देखने को मिली। विधायक अजय सिंह ने विधानसभा क्षेत्र के दस गांवों में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा स्थलों एवं पार्कों के सुंदरीकरण और सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास किया।विक्रमजोत ब्लॉक के शंकरपुर स्थित अम्बेडकर पार्क में आयोजित कार्यक्रम में विधायक ने विधिवत शिलान्यास कर कार्यों की शुरुआत की। इस योजना के तहत शंकरपुर के अलावा उभाई, खम्हरिया सुजात, चरुही कथित, सेमरा, पूरे ओरीराय, जोगहटा, बिहरा, बैठोलिया और दुरूपुर सहित हरैया विधानसभा के कुल दस गांवों में विकास कार्य कराए जाएंगे।



विधायक ने बताया कि सौंदर्यीकरण के अंतर्गत इन प्रतिमा स्थलों और पार्कों में छतरी (कैनोपी), बाउंड्रीवाल, प्रकाश व्यवस्था (लाइटिंग), सीसीटीवी कैमरे और हरियाली जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे प्रतिमा स्थलों को सुरक्षित रखने के साथ ही उनका स्वरूप भी आकर्षक और व्यवस्थित बनाया जाएगा।उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचार, उनका संघर्ष और सामाजिक समानता का संदेश आज भी पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके सम्मान में स्थापित प्रतिमा स्थलों का संरक्षण और विकास करना उनके विचारों एवं आदर्शों के प्रति सम्मान प्रकट करना है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से राम, अजीत विश्वकर्मा, नंदलाल, द्वारिका प्रसाद, राजेश सिंह, सत्य प्रकाश, रज्जू प्रसाद, प्रवीन कुमार, द्वारिका नाथ पाण्डेय, मंजीत वर्मा, शिवा गुप्ता, सचिन कन्नौजिया, गुलाब अहमद, ओम प्रकाश, जगजीवन, शिवकुमार, रामतील, जिलजीत, राकेश, अंकुर सिंह, शिव पूजन, अखिलेश सिंह, प्रियांशु सिंह, प्रिंस शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 27 नवम्बर 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

डिजीटल भारत में साइबर अपराध

देश में आज हर कार्य का डिजीटलीकरण किया जा रहा है। बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, सरकारी सेवाओं और रोजमर्रा के कार्यों में डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। इसमें दोराय नहीं कि तकनीक ने जीवन को पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक, तेज और सरल बना दिया है। मोबाइल फोन और इंटरनेट के माध्यम से घर बैठे अनेक सेवाओं का लाभ उठाना संभव हो गया है। आनलाइन भुगतान एवं खरीदारी, टिकट बुकिंग और सरकारी योजनाओं से जुड़ी सुविधाओं ने लोगों का समय और श्रम बचाया है। मगर इसके साथ ही साइबर अपराध का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही में केंद्र सरकार ने अपने कर्मियों को निर्देश दिया है कि वाट्सएप वेब पर संवेदनशील कामकाज करने से परहेज करें। साथ ही चेतावनी दी है कि सार्वजनिक कंप्यूटर पर वाट्सएप वेब का इस्तेमाल करने के बाद लागआउट नहीं करने से साइबर अपराधी संबंधित खाते में सेंध लगा सकते हैं। ऐसे में सवाल है कि साइबर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की जिम्मेदारी आखिर किसकी है?

साइबर अपराध आज केवल तकनीकी रूप से जानकार लोगों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आम नागरिक, विद्यार्थी, नौकरीपेशा लोग और छोटे कारोबारी भी इसके शिकार बन रहे हैं। साइबर अपराधी लोगों की व्यक्तिगत जानकारी, बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल पहचान का दुरुपयोग कर उन्हें अपने जाल में फंसा लेते हैं। कभी बैंक अधिकारी बनकर फोन किया जाता है, तो कभी किसी सरकारी विभाग का प्रतिनिधि या जांच एजेंसी का अधिकारी बनकर लोगों को डराया जाता है।

इसके अलावा कृत्रिम बुद्धिमत्ता का बढ़ता इस्तेमाल भी साइबर अपराधियों के लिए ठगी का नया औजार बन गया है। ऐसे में चिंता इस बात की है कि एक तरफ सरकार डिजिटल भारत बनाने के लिए लोगों को कई स्तरों पर प्रोत्साहित करती नजर आती है, तो दूसरी तरफ कर्मचारियों को वाट्सएप पर संवेदनशील कार्य नहीं करने के निर्देश दिए जाते हैं। यही नहीं, खबरों के मुताबिक हाल में खुफिया एजेंसियों ने सुरक्षा बलों के अधिकारियों के कुछ निजी वाट्सएप समूहों में पाकिस्तानी एजेंटों की सेंधमारी को लेकर भी आगाह किया है।

अहम सवाल यह है कि सरकारी तंत्र की ओर से केवल सावधानी बरतने की सलाह देने से क्या साइबर अपराध पर रोक लग पाएगी? जाहिर है, सरकार और सुरक्षा एजंसियों को इस चुनौती से निपटने के लिए ठोस एवं व्यापक कदम उठाने होंगे। सबसे पहले साइबर अपराधों की शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाना चाहिए। शिकायत के बाद त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो, ताकि ठगी गई रकम को समय रहते वापस दिलाया जा सके। साइबर अपराध से संबंधित पुलिस इकाइयों को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित कर्मचारियों और पर्याप्त संसाधनों से लैस करना आवश्यक है।

प्रभावी कार्रवाई के लिए राज्यों और विभिन्न जांच एजंसियों के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। बैंकों और डिजिटल भुगतान कंपनियों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। उन्हें संदिग्ध लेन–देन की पहचान करने के लिए मजबूत निगरानी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। डिजिटल सेवाओं में सुरक्षा के मानकों को मजबूत करने के साथ–साथ डेटा की गोपनीयता सुनिश्चित करना भी जरूरी है। डिजिटल भारत का सपना तभी साकार होगा, जब तकनीकी सुविधाओं के साथ नागरिकों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

भारतीय संविधान और लोकतंत्र

भारत विश्व मंच पर अपनी आर्थिक, तकनीकी, वैज्ञानिक और सामरिक क्षमताओं का विस्तार कर रहा है। विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा जब विकास के लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें और प्रत्येक नागरिक को समान अवसर, न्याय तथा सम्मान मिले। 26 नवंबर केवल एक ऐतिहासिक तारीख नहीं, बल्कि राष्ट्र के सामूहिक आत्ममंथन का अवसर है। हमें विचार करना होगा कि क्या संविधान के आदर्श हमारे व्यवहार में दिखाई देते हैं? क्या हम अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी निर्वहन करते हैं? क्या हम सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा को मजबूत बना रहे हैं? संविधान निर्माताओं ने भारत को एक ऐसी व्यवस्था सौंपी, जिसमें परिवर्तन की क्षमता भी है और स्थायित्व का आधार भी। इसकी रक्षा केवल न्यायालयों, संसद और विधानसभाओं का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। राजस्थान विधानसभा की संविधान दीर्घा इसी भावना को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सार्थक माध्यम है। यह हमें स्मरण कराती है कि भारत का संविधान आधुनिक लोकतंत्र की व्यवस्था होने के साथ हमारी सभ्यतागत चेतना, स्वतंत्रता संग्राम के बलिदान और राष्ट्रीय एकता का भी प्रतीक है।

आज भारत डिजिटल क्रांति, आर्थिक विकास, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक परिवर्तन के नए दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में संविधान की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। सोशल मीडिया पर गलत सूचनाओं का प्रसार, सार्वजनिक संवाद में कटुता, सामाजिक वैमनस्य, न्याय तक समान पहुंच और संस्थाओं में पारदर्शिता जैसे विषय हमारे सामने नई चुनौतियां प्रस्तुत करते हैं। इनका समाधान संवैधानिक मर्यादाओं, सामाजिक समरसता और नागरिक जिम्मेदारी में निहित है। असहमति लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन असहमति के साथ संवाद और संस्थाओं के प्रति सम्मान भी आवश्यक है। संविधान हमें यह सिखाता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए मतभिन्नताओं के बावजूद साथ चलना ही लोकतांत्रिक परिपक्वता है। संविधान की मूल भावना को बनाए रखते हुए समय और समाज की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप उसमें संशोधन करना भारतीय लोकतंत्र की संवैधानिक व्यवस्था की प्रमुख विशेषता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मई 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद उनके नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के कार्यकाल में भारतीय संविधान में कुल 8 संविधान संशोधन अधिनियम (99वें से 106वें तक) लागू हुए हैं। इनमें न्यायिक नियुक्तियों, कर सुधार, सामाजिक न्याय, आर्थिक आरक्षण, संघीय व्यवस्था और महिला प्रतिनिधित्व जैसे अलग–अलग क्षेत्रों से संबंधित संशोधन शामिल हैं। इससे पूर्व भी संविधान संशोधनों ने पंचायती राज संस्थाओं और नगरीय निकायों को संवैधानिक आधार देकर लोकतंत्र को गांवों और शहरों तक पहुंचाया है । शिक्षा का अधिकार, सूचना का अधिकार और स्थानीय स्वशासन की व्यवस्थाओं ने नागरिक भागीदारी को नई शक्ति दी है। संवैधानिक मूल्यों का वास्तविक महत्व तभी है जब वे हमारे सार्वजनिक जीवन, सामाजिक व्यवहार और राष्ट्रीय चरित्र में दिखाई दें। क्योंकि संवैधानिक मूल्यों का व्यवहार में अवतरण होना ही विकसित भारत का मूल आधार है । भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि हमारे देश में सत्ता परिवर्तन का एकमात्र संवैधानिक और लोकतांत्रिक माध्यम स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं नियमित चुनाव हैं। संविधान के प्रति सम्मान केवल पुस्तकों, भाषणों और समारोहों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसे देखने, समझने और अनुभव करने की व्यवस्था भी विकसित होनी चाहिए।

भाषण बनाम भरोसा और कारोबारी?

—अभिनव आकाश—

सरकार ने टैक्स घटाया और कारोबार को आसान बनाया, लेकिन कंपनियों ने उसका फायदा जो है अपने यहां काम कर रहे वर्कर्स तक नहीं पहुंचाया, उनको बेनिफिट नहीं दिया। 19 नवंबर का दिन था जब प्रधानमंत्री मोदी ने उद्योग जगत पर इंडस्ट्रियल इंडस्ट्रीज पर तीखा हमला बोला। देश के शीर्ष उद्योगपतियों के मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों में जो तल्खी, हताशा और एक तरह की बेबसी झलक रही थी, उसने आर्थिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। उनका अंदाज कुछ ऐसा था मानो वे कॉर्पोरेट जगत से सीधे पूछ रहे हों कि आखिर आपको आगे बढ़ने और निवेश करने के लिए मैं और क्या कर सकता हूँ? यह महज दिल की पुकार से कहीं अधिक गंभीर बात थी। यह स्थिति ठीक वैसी ही है जैसे कोई सेनापति अपने सैनिकों से मोर्चे पर आगे बढ़कर पहाड़ी पर चढ़ाई करने का आह्वान करे, लेकिन सैनिक अपनी जगह से टस से मस न हों, चाहे सेनापति उन्हें कितना ही क्यों न ललकारे। इस स्थिति को समझने के लिए 1970 की मशहूर फिल्म वातरलू का एक संवाद बेहद सटीक बैठता है। फिल्म में ड्यूक ऑफ वेलिंगटन का किरदार निभा रहे क्रिस्टोफर प्लमर, डचेस ऑफ रिचमंड से कहते हैं, कौन जानना चाहेगा कि सैनिकों को लड़ने का जोश कहाँ से मिलता है? जिन (शराब) ही उनके देशभक्ति के जुनून का असली स्रोत है। बेशक, प्रधानमंत्री का इशारा कॉर्पोरेट इंडिया को उन कठोर शब्दों से नवाजने का कतई नहीं था जो वेलिंगटन ने अपने सैनिकों के लिए इस्तेमाल किए थे, लेकिन उनकी हताशा की गहराई कुछ वैसी ही महसूस हो रही है।



सवाल यह है कि कोई सरकार उद्योगपतियों को आगे बढ़ने के लिए किस तरह का जोश या टॉनिक दे सकती है? इसका जवाब है उदामिता को बढ़ावा देना। इसमें नियमों में ढील, मिनिमम गवर्नमेंट, बाजार की निष्पक्ष निगरानी, वित्तीय अनुशासन और लाइसेंसिंग व निवेश की पाबंदियों से आजादी जैसे कदम शामिल हैं। यदि हम वेलिंगटन वाले फिल्म के उदाहरण को यहाँ लागू करें, तो इस प्रोत्साहन पैकेज का सबसे बड़ा और असरदार हिस्सा है, टैक्स में भारी कटौती। प्रधानमंत्री की नाराजगी की सबसे बड़ी वजह यह है कि सरकार द्वारा दी गई इन तमाम रियायतों और बढ़ते कॉर्पोरेट मुनाफे के बावजूद, उद्योग जगत इसका लाभ आम लोगों और अर्थव्यवस्था तक नहीं पहुँचा रहा है। न तो उस अनुपात में कर्मचारियों का वेतन बढ़ रहा है, न नई भर्तियाँ हो रही हैं, और न ही निजी निवेश में वैसी तेजी दिख रही है। ऐसा लगता है मानो कॉर्पोरेट जगत के ये सैनिक मोर्चे पर जाने के लिए तैयार ही नहीं हैं। या तो वे जोखिम उठाने से डर रहे हैं, या फिर अपने सुरक्षित दायरे में बैठकर टैक्स छूट का मजा लेने में ही उन्हें ज्यादा आराम मिल रहा है।

प्रधानमंत्री की यह पीड़ा फिक्की के कार्यक्रम में दिए गए उनके भाषण में साफ सुनाई दी। उन्होंने सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का हिसाब देते हुए याद दिलाया कि 2014 में देश में मूल कॉरपोरेट टैक्स की दर 30 प्रतिशत हुआ करती थी, जिसे उनकी सरकार ने घटाकर 22 प्रतिशत कर दिया। इतना ही नहीं, आज भारत में 12 लाख रुपये तक की सालाना कमाई पर कोई इनकम टैक्स नहीं लगता। अपनी बात रखते हुए प्रधानमंत्री ने उद्योगपतियों की चुटकी लेते हुए जो तंज कसा, वह उनके मन की पूरी बात कह गया। उन्होंने कहा मुझे पता है कि आप तालियां बजाना चाहते हैं, क्योंकि आप लोगों को चाहे कितना भी दे दिया जाए, आपकी भूख कभी शांत ही नहीं होती।

अपनी बात को और आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री ने उद्योगपतियों को सीधा आईना दिखाया। उनके सटीक शब्द थे क्या आपने अपने कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाई? क्या आपने नए लोगों को नौकरी पर रखा? नहीं! आपका रवैया बस यही रहता है कि मोदी जी आप करिए, हम बाद में देखेंगे। यह सीधे तौर पर कॉर्पोरेट इंडिया पर प्रधानमंत्री का एक तीखा तंज था, जिसने उद्योग जगत को सकते में डाल दिया। जहां एक तरफ इंडिया इंक (कॉर्पोरेट जगत) अपने आहत स्वाभिमान को संभालने में जुटा था, वहीं दूसरी तरफ विपक्षी दल कांग्रेस ने तुरंत प्रधानमंत्री के इन शब्दों को लपक लिया। कांग्रेस ने पलटवार करते हुए कहा कि वे तो शुरू से यही बात कह रहे थे। इस मुद्दे पर सबसे पहले कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मोर्चा संभाला। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 12 साल में पहली बार एक घबराए हुए प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत के दिग्गजों को सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई है, जिससे वे खुद भी हैरान और स्तब्ध रह गए होंगे। जयराम रमेश ने निवेश में आई इस सुस्ती के लिए कारोबारियों के बजाय सीधे सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके पीछे क्रोनी कैपिटलिज्म (पूंजीपति मित्रों को बढ़ावा), नियामक संस्थाओं पर कब्जा, डर व धमकी का माहौल और जांच एजेंसियों का बेजा इस्तेमाल जिम्मेदार है। उन्होंने प्रधानमंत्री को सलाह दी कि वे कॉर्पोरेट इंडिया को दोष देने के बजाय खुद के भीतर झांककर देखें। उधर, अमेरिका के दौरे पर गए राहुल गांधी ने भी इसी सुर में कहा कि हमने तो पहले ही इस स्थिति को लेकर आगाह किया था।

आर्थिक आंकड़ों की बात करें तो यह बात किसी से छिपी नहीं है कि भारतीय कॉर्पोरेट जगत उस रफ्तार से निवेश, विस्तार या नई भर्तियां नहीं कर रहा है, जैसा कि 7 प्रतिशत से अधिक की जीडीपी ग्रोथ के दौर में होना चाहिए। हालांकि देश में स्टार्टअप्स तेजी से उभर रहे हैं, लेकिन पारंपरिक उद्यमिता में एक तरह का ठहराव सा आ गया है। वर्तमान में अर्थव्यवस्था की ज्यादातर रफ्तार सरकार के अपने खर्च खासकर भारी बुनियादी ढांचे पर किए जा रहे निवेशकृके दम पर टिकी है। यदि आज कॉर्पोरेट इंडिया जोखिम उठाने से इतना कतरा रहा है, तो यह कोई अचानक हुआ बदलाव नहीं है, बल्कि यह मायूसी सालों से अंदर ही अंदर पनप रही थी।

एक बेहद शक्तिशाली सरकार होने का मतलब यह नहीं कि नीतियों में भ्रम या बार–बार बदलाव (फ्लिप–फ्लॉप) नहीं हो सकते। 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद से हर वित्त मंत्री यही कहता आया है कि एक आधुनिक अर्थव्यवस्था की पहचान संतुलित और स्थिर टैक्स व्यवस्था होती है। लेकिन मौजूदा दौर में लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स और डिविडेंड टैक्स में जितने बदलाव हुए हैं, उसने निवेशकों के भरोसे को डगमगाया है। इसके अलावा, आज देश में व्यक्तिगत करदाताओं पर कॉर्पोरेट जगत की तुलना में लगभग दोगुना टैक्स लगाया जा रहा है। सरकार ने अपनी संप्रभु शक्ति का इस्तेमाल करते हुए कई चौंकाने वाले फैसले भी लिए हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के नियमों में पिछली तारीख से किया गया बदलाव है। जब सोने की कीमतें बढ़ीं और सरकार को लगा कि बिना हेजिंग के जारी किए गए इन बॉन्ड्स पर उसे भारी नुकसान उठाना पड़ेगा, तो उसने नियमों को ही पीछे की तारीख से बदल दिया। यह वही पुरानी मानसिकता दर्शाता है कि 'माई–बाप सरकार' कभी गलत नहीं हो सकती, और अगर हो भी जाए, तो वह नियम बदल देगी।

उद्योगपतियों के निवेश से हाथ खींचने के पीछे सबसे बड़ा कारण नीतिगत अनिश्चितता और अचानक लिए जाने वाले सरकारी फैसले हैं। स्टील प्लांट या रिफाइनरी जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स दशकों की स्थिरता को ध्यान में रखकर लगाए जाते हैं, लेकिन रातों–रात नोटबंदी, महज चार घंटे के नोटिस पर लॉकडाउन, या ईडी जैसी जांच एजेंसियों की बढ़ती आक्रामकता ने बोर्डरूम में डर का माहौल पैदा कर दिया है। यही वजह है कि भारतीय कंपनियां अब देश में बड़ा जोखिम उठाने के बजाय विदेशों में तीन गुना अधिक निवेश कर रही हैं और चुनिंदा बड़े समूहों के दबदबे के बीच खुद को सुरक्षित रखने की नीति अपना रही हैं। यह सही है कि कॉर्पोरेट इंडिया के पास जवाब देने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन तांबा और एल्युमीनियम आयात के मामले में गलती सरकार के पाले में भी है। देश की दो सबसे बड़ी परियोजनाएं सामाजिक कार्यकर्ताओं के विरोध के दबाव में बंद कर दी गईं। इनमें से एक तो कांग्रेस के दौर में ही बंद हो गई थी। लेकिन अब, जब केंद्र के साथ–साथ ओडिशा में भी भाजपा की अपनी सरकार है, तब भी इन प्रोजेक्ट्स को शुरू न कर पाने का ठीकरा उद्योग जगत पर नहीं फोड़ा जा सकता। अफसोस की बात यह है कि कॉर्पोरेट इंडिया यह सब जानता है, लेकिन किसी में भी सार्वजनिक रूप से बोलने की हिम्मत नहीं है। सम्मेलनों और बैठकों के गलियारों में उद्योगपति दबी जुबान में तमाम शिकायतें करते हैं, लेकिन जब सामने नाराज प्रधानमंत्री या पिछले दो साल से एक ही नसीहत दे रहीं वित्त मंत्री बैठी हों, तो वे उन स्कूली बच्चों की तरह सिर झुकाए चुपचाप बैठे रहते हैं, जिनका होमवर्क अधूरा रह गया हो।

आर्थिक जानकारों का मानना है कि उद्योग जगत को निवेश के लिए तैयार करने के वास्ते लंबे भाषणों या तंज के बजाय केवल दो मिनट के उस भरोसे की जरूरत है, जिसमें उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना के नियम न बदलने और एजेंसियों के हस्तक्षेप न होने की गारंटी मिले। जब नियमों की किताब रातों–रात बदली जा सकती हो, तो कोई भी कारोबारी बड़ा दांव लगाने के बजाय इंतजार करना ही बेहतर समझता है। ऐसे में, फिक्की जैसे मंचों पर प्रधानमंत्री की फटकार के बाद भी कॉर्पोरेट इंडिया वही करेगा जो वह एक दशक से करता आ रहा है। सार्वजनिक रूप से तालियां बजाना, लेकिन निजी तौर पर अपनी तिजोरी का मुंह बंद रखना।हालांकि, उद्योग जगत की यह चुप्पी सिर्फ मोदी युग की बात नहीं है। साल 2007 में सीआईआई की वार्षिक बैठक में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी उद्योगपतियों को खुद को बहुत अधिक वेतन और भत्ते देने पर फटकार लगाई थी। उस समय माहौल और संदेश आज के बिल्कुल उलट था। तब सीआईआई प्रमुख सुनील मित्तल ने प्रतिक्रिया स्वरूप अपना वेतन दान करने का संकल्प ले लिया था। उस दौर में भी आर्थिक जानकारों ने इस रीढ़विहीन पूंजीवाद पर सवाल उठाते हुए कहा था कि कॉर्पोरेट इंडिया को इतनी हिम्मत जुटानी चाहिए कि वह प्रधानमंत्री से कह सके। सरकार उनका वेतन तय नहीं करती और यदि वे ईमानदारी से टैक्स चुका रहे हैं, तो उन्हें स्वतंत्र रूप से काम करने दिया जाए। लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ। उल्टे, उद्योग जगत ने मुनाफे का 2 प्रतिशत अनिवार्य रूप से सीएसआर में खर्च करने जैसे फैसले को भी चुपचाप निगल लिया। आज भी फिक्की और कॉर्पोरेट जगत में कई काबिल लोग हैं जिनके पास कहने के लिए बहुत जरूरी बातें हैं, लेकिन सच बोलने का साहस कोई नहीं जुटा पाता।

कृषि कानूनों की वापसी के बाद...!

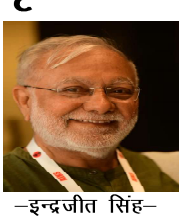

—इन्द्रजीत सिंह—



वर्ष 2022 से संयुक्त किसान मोर्चा 26 नवंबर को देशभर में विभिन्न रूपों में एक विशेष दिवस के रूप में मनाता आ रहा है। इस बार भी देशभर में किसान लामबंदी की जा रही है। इसके पीछे दो अतिरिक्त अहम कारक जुड़े हैं। पहला, देश में जारी एसआईआर के दौरान निर्वाचन आयोग के भीतर से ही इस प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए गए। दूसरा, 19 नवंबर को फिक्की के सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए वे बयान हैं, जिनमें उन्होंने कॉर्पोरेट जगत पर आरोप लगाया कि वह भारी वित्तीय लाभ अर्जित कर रहा है, लेकिन बदले में रोजगार सृजन के लिए कुछ नहीं कर रहा।

साल 2020 में तीन कृषि कानूनों के खिलाफ शुरू हुआ किसान आंदोलन आखिर उन्हें वापस करवाने में सफल रहा। उस जीत को 26 नवंबर को वर्षगांठ के तौर पर याद किया जाता है। हालांकि छह साल बाद भी एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत कई मामले अनसुलझे हैं। छब्बीस नवंबर को किसान आंदोलन की छठी वर्षगांठ है। यह वही आंदोलन था, जो केंद्र सरकार द्वारा 5 जून, 2020 को जारी किए गए तीन कृषि अध्यादेशों के खिलाफ लगभग 13 महीने तक चला। इन अध्यादेशों को संसद में आनन–फानन में पारित करवाकर तथा राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त कर 27 सितंबर, 2020 को कानून का रूप दे दिया गया था। वहीं, 26 नवंबर को देश में संविधान दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इसी दिन 1949 में संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकार किया था। उल्लेखनीय है, इसी समय संसद ने चार श्रम संहिताएं (लेबर कोड) भी पारित की थीं, जिनके जरिये दशकों से प्रचलित समूचे श्रम कानूनों को बदल दिया गया।

तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों को किसान विरोधी, कॉर्पोरेट हितैषी तथा समूची कृषि व्यवस्था के लिए विनाशकारी माना गया। इन कानूनों का उद्देश्य कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग को बढ़ावा देकर निजी कंपनियों के निर्बाध प्रवेश की राह खोलना तथा खाद्यान्न व्यापार में एकाधिकार को प्रोत्साहित करना था। इनके दूरगामी परिणाम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की व्यवस्था और सार्वजनिक वितरण प्रणाली, दोनों पर पड़ने निश्चित थे। किसान पहले ही कृषि लागत में लगातार वृद्धि व आय में ठहराव के कारण प्रतिकूल आर्थिक परिस्थितियों का सामना कर रहे थे।

25 नवंबर को पंजाब–हरियाणा के लाखों किसानों ने कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली कूच शुरू किया। उन्होंने हरियाणा की तत्कालीन गठबंधन सरकार द्वारा किए गए पुलिस दमन का मुकाबला किया। दिल्ली के सभी प्रमुख प्रवेश मार्गों पर 26 नवंबर को मोर्चे लगने से राष्ट्रीय राजधानी की घेराबंदी जैसी स्थिति पैदा हो गई थी। इसी दिन चार श्रम संहिताओं के खिलाफ औद्योगिक और ट्रेड यूनियन मजदूरों ने भी देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किए। कई किसान संगठनों को एक साझा मंच पर लाकर संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) का गठन किया गया।

आंदोलन की पहली प्रमुख विशेषता मुद्दों पर आधारित एकता थी। तीनों कृषि कानून ऐसे थे, जो किसान समुदाय के सभी वर्गों को प्रभावित कर रहे थे। दूसरी विशेषता थी कि कोविड महामारी सहित मौसम की प्रतिकूलताओं का सामना करते हुए किसानों ने सीमाओं पर डेरे डाले रखे। तीसरी विशेषता थी महिलाओं की विशाल भागीदारी। चौथी विशेषता थी आंदोलन को मिला व्यापक जनसमर्थन, विशेषकर हरियाणा से, जिसकी भौगोलिक स्थिति तीन ओर से राष्ट्रीय राजधानी को छूती है। इनके अलावा, हरियाणा व पंजाब के अनेक टोल प्लाजा पर भी समर्थन में धरना स्थल बने रहे और टोल टैक्स बंद रहे।

किसान आंदोलन की खास बात थी कि धरना स्थलों पर राष्ट्रीय दिवसों और त्योहारों को गरिमा के साथ मनाया जाता था। शासन द्वारा आंदोलन को राष्ट्रविरोधी करार देने के प्रयास किए गए। पंजाब और हरियाणा के किसानों के बीच क्षेत्रीय भावनाएं भड़काने के लिए एसवाईएल का मुद्दा भी उछाला गया। लेकिन हथकंडे बेअसर रहे। आम लोगों, विशेषकर बेरोजगारी से जूझ रहे ग्रामीणों के बीच शासन की छवि 'अहंकारी' बन रही थी। ऐसी स्थितियों में केंद्र को 19 नवंबर को तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा करनी पड़ी। संयुक्त किसान मोर्चा ने आंदोलन वापस लेने को तीनों कृषि कानूनों की वापसी के अलावा अन्य प्रमुख मांगों पर भी लिखित आश्वासन की शर्त रखी।

अंततः 9 दिसंबर, 2021 को केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने लिखित रूप में पत्र जारी किया। साथ ही अन्य अधिकांश मांगों पर भी सकारात्मक रुख दिखाया, जिनमें सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद की कानूनी गारंटी की मांग भी शामिल थी। हालांकि, विभिन्न सरकारों ने किसान आंदोलन से शायद ही कोई सबक सीखा। वे उन्हीं जनविरोधी नीतियों को आगे बढ़ाते रहे। मसलन, बीज संशोधन विधेयक, बिजली संशोधन विधेयक, सहकारी कानून में प्रतिगामी संशोधन। वहीं स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के अनुरूप सी–250 प्रतिशत के फार्मूले पर एमएसपी तय करने की मांग की अनदेखी की। हालांकि इसका राजनीतिक परिणाम भी सामने आया मसलन, भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत प्राप्त करने में विफल रही! वर्ष 2022 से संयुक्त किसान मोर्चा 26 नवंबर को देशभर में विभिन्न रूपों में एक विशेष दिवस के रूप में मनाता आ रहा है। इस बार भी देशभर में किसान लामबंदी की जा रही है। इसके पीछे दो अतिरिक्त अहम कारक जुड़े हैं। पहला, देश में जारी एसआईआर के दौरान निर्वाचन आयोग के भीतर से ही इस प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए गए। दूसरा, 19 नवंबर को फिक्की के सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए वे बयान हैं, जिनमें उन्होंने कॉर्पोरेट जगत पर आरोप लगाया कि वह भारी वित्तीय लाभ अर्जित कर रहा है, लेकिन बदले में रोजगार सृजन के लिए कुछ नहीं कर रहा। यह एक तरह से क्रोनी कैपिटलिज्म नीति की स्वीकारोक्ति का मामला है, जिस संबंधी आरोप किसान आंदोलन केंद्र पर लगाता आया है।— लेखक अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।

जल के नाम पर जहर

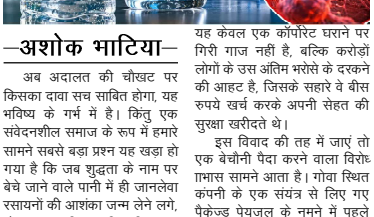

—अशोक भाटिया—

अब अदालत की चौखट पर किसका दावा सच साबित होगा, यह भविष्य के गर्भ में है। किंतु एक संवेदनशील समाज के रूप में हमारे सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह खड़ा हो गया है कि जब शुद्धता के नाम पर बेचे जाने वाले पानी में ही जानलेवा रसायनों की आशंका जन्म लेने लगे, तो आम नागरिक आखिर किस पर भरोसा करे? प्यास मनुष्य की सबसे आदिम और निश्छल आवश्यकता है। भारतीय संस्कृति में जल को केवल एक रासायनिक यौगिक नहीं, बल्कि जीवन का पर्याय और अमृत माना गया है। राहगीरों के लिए प्याऊ लगवाना और जल स्रोतों को सहेजना कभी सबसे बड़ा पुण्य कार्य था। लेकिन विकास की अंधी दौड़ में नदियां प्रदूषित हुईं, भूजल स्तर पाताल में जा धंसा और सार्वजनिक नलों से आने वाले पानी की शुद्धता संदेह के घेरे में आ गई। इसी असुरक्षा के शून्य से बोतलबंद पानी के विशाल बाजार का जन्म हुआ, जिसका निर्विवाद सम्राट बनकर उभराकृ 'बिसलेरी'। आज देश के किसी भी कोने में खड़ा प्यासा व्यक्ति दुकानदार से पानी नहीं मांगता, वह सीधे 'बिसलेरी' मांगता है। यह नाम किसी उत्पाद का ट्रेडमार्क भर नहीं रहा, बल्कि आम भारतीय के मन में शुद्धता की अंतिम गारंटी बन गया। ऐसे में जब देश की सर्वोच्च खाद्य नियामक संस्था भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बिसलेरी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मंजूरी दी, तो यह केवल एक कॉर्पोरेट घराने पर गिरी गाज नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों के उस अंतिम भरोसे के दरकने की आहट है, जिसके सहारे वे बीस रुपये खर्च करके अपनी सेहत की सुरक्षा खरीदते थे।

इस विवाद की तह में जाएं तो एक बेचौनी पैदा करने वाला विरोधाभास सामने आता है। गोवा स्थित कंपनी के एक संयंत्र से लिए गए पैकेज्ड पेयजल के नमूने में पहले ब्रोमेटश नामक रासायनिक तत्व निर्धारित सीमा से अधिक पाया गया और जब कंपनी की अपील पर वही नमूना रेफरल प्रयोगशाला पहुंचा, तो वहां उसमें 'पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन' जैसे घातक तत्वों की मौजूदगी दर्ज हुई। विज्ञान की दृष्टि से ये दोनों ही तत्व मानवीय शरीर के लिए धीमे जहर से कम नहीं हैं। ओजोन प्रक्रिया के दौरान बनने वाला ब्रोमेट हो या रासायनिक प्रदूषण से उपजने वाले पीएफ्च, दोनों का दीर्घकालिक सेवन गुर्दों की कार्यक्षमता को नुकसान पहुंचाने से लेकर कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों को न्योता दे सकता है। दूसरी ओर, कंपनी का अपना पक्ष है कि उसके एक सौ तैंतालीस संयंत्रों के विशाल तंत्र में से केवल एक इकाई के एक बैच का यह मामला है, जिसमें छह में से पांच नमूने खरे उतरे थे और स्वतंत्र प्रयोगशाला की जांच में छठा नमूना भी सुरक्षित पाया गया था। कंपनी यह भी सवाल उठा रही है कि चौदह महीने पुराने इस प्रकरण में महीनों तक नियामक की ओर से कोई संवाद नहीं हुआ और अचानक अभियोजन की मंजूरी की खबर सार्वजनिक हो गई।

विशनपुर गांव में डिजिटल लाइब्रेरी व आंगनबाड़ी केंद्र का प्रमुख अनिल दुबे ने किया उद्घाटन



– गांव के युवाओं को अब पढ़ाई के लिए नहीं जाना पड़ेगा शहर, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मिलेगी मदद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। विशनपुर गांव में डिजिटल लाइब्रेरी एवं आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे, एडीओ पंचायत नंदलाल राम और प्रशासक धर्मेंद्र चौधरी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन और फीता काटकर किया। ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे ने कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी शुरू होने से गांव के युवाओं को पढ़ाई के लिए अब शहर नहीं जाना पड़ेगा। इससे अभिभावकों पर होने वाला अतिरिक्त खर्च भी कम होगा। लाइब्रेरी में डिजिटल सुविधा के साथ मैनुअल अध्ययन की भी व्यवस्था रहेगी। यहां बच्चों और युवाओं के लिए सैकड़ों पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं। इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को भी लाभ मिलेगा। प्रशासक धर्मेंद्र चौधरी ने कहा कि गांव में लाइब्रेरी शुरू होने से लोगों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शहर की तरफ रुख नहीं करना पड़ेगा। अब ग्रामीणों को गांव में ही बेहतर शैक्षिक सुविधाएं मिल सकेंगी। कार्यक्रम में अयोध्या धाम से पधारे पंडित प्रदीप शास्त्री, अखिलेश उपाध्याय, इंद्र कुमार चौधरी, देवेंद्र मिश्र, अलका वर्मा, सोनिया देवी, नीरज त्रिपाठी, सुशीला देवी और नीलम देवी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बुद्धेश अध्यक्ष, उपेन्द्र सचिव बने



राजकीय होम्योपैथिक फार्मासिस्ट सेवा संघ कार्यकारिणी गठित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजकीय होम्योपैथिक फार्मासिस्ट सेवा संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन जिला अस्पताल स्थित राजकीय होम्योपैथिक कार्यालय के निकट सम्पन्न हुई। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक होम्योपैथी मीना पुष्कर दोहरे की उपस्थिति में चुनाव अधिकारी नितनेश शुक्ला एवं प्रेक्षक अम्बिका प्रसाद की देखरेख में हुए चुनाव में बुद्धेश मणि वर्मा अध्यक्ष, उपेन्द्र मिश्र सचिव, विवेक चौरसिया उपाध्यक्ष, दिव्यांश श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष, साक्षी त्रिपाठी को संगठन सचिव और अखिलेश गौड़ को सम्प्रेक्षक चुना गया।

बैठक में उपस्थित फार्मासिस्टों ने विभागीय स्तर पर समस्याओं के मुद्दे उठाये। साथ ही फार्मासिस्ट संवर्ग से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया गया।

दो दिवसीय दौरे पर आज बलरामपुर पहुंचेंगे सीएम योगी

संवाददाता–बलरामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान आज बलरामपुर आएंगे। दोपहर में सीएम योगी पहुंचने के बाद शक्तिपीठ की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ–साथ ब्रह्मलीन महंत महेन्द्र नाथ योगी की पुण्यतिथि कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि देंगे। साथ ही सीएम शक्तिपीठ पर ही रात्रि विश्राम करेंगे। इस दौरान वह स्थानीय जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। सीएम के आगमन को लेकर जहां एक ओर शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है वहीं पूरा प्रशासनिक अमला चौकन्ना हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मिनट दू मिनट कार्यक्रम जिले में आ गया है। इसके तहत वह दिन में डेढ़ बजे वह मां पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल स्थित हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे। यहां से वह मां पाटेश्वरी शक्तिपीठ के लिए रवाना होंगे। 1रू35 बजे सीएम योगी शक्तिपीठ पहुंचेंगे। यहां 1रू35 से 5रू00 बजे तक सीएम का कार्यक्रम आरक्षित रहेगा। शाम चार बजे सीएम योगी ब्रम्हलीन महंत महेन्द्र नाथ की पुण्यतिथि कार्यक्रम में शामिल होंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरक्षित कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी स्थानीय जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले के विकास कार्यों का फीडबैक ले सकते हैं। इसमें प्रमुख रूप से मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय व मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य शामिल है। दिसंबर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित दौरे और लोकार्पण कार्यक्रम की भी समीक्षा सीएम योगी कर सकते हैं। इसके लिए अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने अपनी कमर कस ली है। आवश्यकतानुसार आज सीएम योगी के समक्ष हर कोई तैयारियों और विकास कार्यों को लेकर अपना प्रजन्टेशन देने को तैयार है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर की सुरक्षा को अभेद कर दिया गया है। आने जाने वाले लोगों की सघन चेकिंग की जा रही है। चेकिंग के लिए पुलिस व एसएसबी के विशेष दस्ते को लगाया गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ के आगमन और रात्रि विश्राम को लेकर सुरक्षा एजेंसियां चौकन्नी हो गई हैं। जिले से लगी भारत नेपाल की सीमा पर विशेष चौकसी बरती जा रही है। सीएम पार से आने जाने वाले लोगों की सघन तलाशी ली जा रही है। कड़ी पूछताछ के बाद ही लोगों को एक दूसरे के यहां आने जाने की इजाजत दी जा रही है। त्रिलोकपुर चेकपोस्ट से लेकर जरवा व अन्य क्षेत्रों में सतर्कता को बढ़ा दिया गया है। सीमा से जुड़े जंगल के दुर्गम रास्तों पर भी कड़ा पहरा कर दिया गया है।

सपा कार्यकर्ताओं ने संविधान की रक्षा का संकल्प लिया



संवाददाता–महराजगंज। गुरुवार, को समाजवादी पार्टी कार्यालय में संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष विद्यासागर यादव ने की। नेताओं और कार्यकर्ताओं ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। विद्यासागर यादव ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को देश का संविधान बनकर तैयार हुआ था। उन्होंने कहा कि संविधान हर नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व का अधिकार देता है। यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संविधान की मूल भावना को कमजोर कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही है। उनके मुताबिक, संविधान गरीबों, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों, किसानों और नौजवानों को अधिकार दिलाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि संविधान सुरक्षित रहेगा, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा। कार्यक्रम में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा की सरकार बनाने और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया। यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से परेशान है और बदलाव चाहती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर सक्रिय होकर 'संविधान बचाओ, देश बचाओ' का संदेश लोगों तक पहुंचाने की अपील की। कार्यक्रम में समाजवादी बाबा साहब वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रवण पटेल, जिला उपाध्यक्ष बिंदरेश कन्नौजिया, प्रणय गौतम, निर्मेश मंगल, विजय जायसवाल, यूथ ब्रिगेड जिलाध्यक्ष शमीम खान, नगर अध्यक्ष आदित्य यादव, छात्र सभा जिलाध्यक्ष यगदत्त पासवान, डॉ. एसएस पटेल, मक्खू प्रसाद, राजेश निषाद, सुमन ओझा, शमसुल होदा, रामनिवास यादव, सूरज यादव, नौशाद आलम, अरविंद यादव, शिवेंद्र पटेल, सुरेंद्र भारती, अशोक यादव और अनंत निषाद समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम का समापन 'जय भीम, जय संविधान और जय समाजवाद' के नारों के साथ हुआ।

संविधान गरीबों–वंचितों–महिलाओं को अधिकार दिलाने का सबसे बड़ा हथियार –पंकज चौधरी



संवाददाता–महराजगंज। जिला पंचायत परिसर स्थित स्वर्गीय प्रदीप चौधरी स्मृति समागार में गुरुवार को भाजपा की ओर से संविधान गौरव दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि संविधान गरीबों, दलितो

पंकज चौधरी ने कहा कि भाजपा की विचारधारा संविधान प्रथम और राष्ट्र प्रथम की है। राष्ट्र सर्वोपरि है, संगठन दूसरे स्थान पर और व्यक्ति सबसे अंत में आता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 नवंबर को संविधान दिवस घोषित कर बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान और संविधान के प्रति सम्मान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का काम किया है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए चौधरी ने कहा कि वर्ष 1975 में लगाया गया आपातकाल लोकतंत्र और संविधान के अपमान का उदाहरण था। उन्होंने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति की कुर्सी बचाने के लिए पूरे देश में आपातकाल लगाया गया। कांग्रेस ने बाबा साहब का अपमान किया और संवैधानिक संस्थाओं को परिवार की जागीर समझा।

समाजवादी पार्टी की पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में दंगे, खराब कानून–व्यवस्था और भर्तियों में भाई–भतीजावाद का माहौल था। कारोबारियों का पलायन हो रहा था और बहन–बेटियां असुरक्षित थीं। पंकज चौधरी ने दावा किया कि भाजपा सरकार में साढ़े नौ लाख से अधिक युवाओं को मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरी दी गई है। उन्होंने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को 10 प्रतिशत आरक्षण देने और नारी शक्ति वंदन अधिनियम को सामाजिक न्याय की दिशा में उठाया गया कदम बताया। इसके अलावा अनुच्छेद 370 हटाने और बाबा साहब से जुड़े पांच स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने का भी जिक्र किया। एसआईआर को लेकर उन्होंने कार्यकर्ताओं से पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने की अपील की। उन्होंने बताया कि 22 से 24 नवंबर तक चले अभियान में 10 लाख से अधिक फार्म–6 भरवाने का दावा किया गया है। महिला मतदाताओं को जोड़ने के लिए 28 से 30 नवंबर और युवा मतदाताओं के लिए 1 से 3 दिसंबर तक विशेष अभियान चलाया जाएगा।

कांग्रेस ने सबसे ज्यादा संविधान का दुरुपयोग किया –बृजभूषण



संवाददाता–गोण्डा। कांग्रेस के संविधान रक्षा मार्च को लेकर पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने पार्टी पर निशाना साधा। गुरुवार सुबह 11:30 बजे मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि आज जो लोग संविधान बचाने का नारा दे रहे हैं, उन्होंने ही सबसे ज्यादा संविधान का दुरुपयोग किया है

बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि संविधान का दुरुपयोग, खासकर धारा 356 का इस्तेमाल सबसे ज्यादा कांग्रेस की सरकारों में हुआ है। कांग्रेस ने चुनी हुई सरकारों को गिराने का काम किया। उन्होंने कहा कि यह उनके कहने से नहीं, बल्कि रिकॉर्ड देखकर पता चल सकता है कि कांग्रेस ने कितनी बार ऐसा किया। पूर्व सांसद ने कहा कि इंदिरा गांधी के कार्यकाल में देश में इमरजेंसी लगाई गई थी। राजनारायण की याचिका पर हाईकोर्ट का फैसला इंदिरा गांधी के चुनाव के खिलाफ आया था। इसके बाद संविधान और अदालत के फैसले को न मानते हुए रातों–रात इमरजेंसी लगा दी गई। उन्होंने कहा कि उस दौरान बड़े नेताओं के साथ छात्र नेताओं को भी जेल में बंद किया गया था। डिग्री कॉलेज और विश्वविद्यालयों के भी कई नेता जेल गए थे। उन्होंने आडवाणी का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय जेल में बंद लोगों को लगता था कि वे बाहर नहीं आ पाएंगे।

बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि उस समय देश के युवाओं और छात्रों ने आंदोलन की कमान संभाली। नारा लगने लगा– इंदिरा तेरी तानाशाही नहीं चलेगी, नहीं चलेगी।इ लोकनायक जयप्रकाश नारायण की अगुवाई में पटना के गांधी मैदान में बड़ा सम्मेलन हुआ। इसके बाद देशभर में आंदोलन तेज हुआ और इमरजेंसी हटाई गई।

पूर्व सांसद ने कहा कि जिस पार्टी ने सबसे ज्यादा संविधान का दुरुपयोग किया, वही आज संविधान बचाने का नारा दे रही है। कांग्रेस को अपने रिकॉर्ड देखने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इमरजेंसी लगाकर लाखों लोगों और विद्यार्थियों को जेल में बंद करना जनता को भ्रमित करने का काम था।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जूडि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद संख्या–792/2025
मुनेसर आदि
बनाम
मनोज कुमार आदि

1–मनोज कुमार उम्र लगभग 45 वर्ष 2– आशाराम उम्र लगभग 50 वर्ष 3– निलेश कुमार उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्रगण रामदेव 4– लल्लू प्रसाद उम्र लगभग 52 वर्ष 5–राम प्रताप उम्र लगभग 42 वर्ष पुत्रगण राम कुमार 6–जगदीश कुमार उम्र लगभग 48 वर्ष 7–प्रकाश उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्रगण सुखदेव निवासीगण ग्राम– तेनुआ असनहरा तप्पा –आदमपुर परगना –रसूलपुर तहतील–मानपुर, पोस्ट– करमहिया जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

8. बुधई उम्र लगभग 56 वर्ष पुत्र भिखारी ग्राम– तेनुआ असनहरा तप्पा –आदमपुर परगना –रसूलपुर तहतील–मानपुर, पोस्ट– करमहिया जिला बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 29–01–2027

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 01 सन 2027 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या माफक वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसरख मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 25 माह 11 सन 2026 ई0 जारी किया गया। –द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद सं0–134/2025
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय सिद्धार्थनगर जिला– सिद्धार्थनगर
इस्लामिया रहमानिया एजुकेशनल सोसाइटी
बनाम
गौरव आदि

2. सद्रुन्निशा उम्र करीब 71 वर्ष पत्नी मोहम्मद हारून जन्मतः निवासी ग्राम–डुमरियागंज, तप्पा–हल्लौर, परगना– रसूलपुर, तहसील–डुमरियागंज, जिला–सिद्धार्थनगर, हाल मकाम–बेलवाडाड़ी, पोस्ट–गांधीनगर, तहसील–बस्ती, जिला–बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय पक्ष

तारीख पेशी 12–01–2027

प्रतिवादी ने आपके विरुद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **12–01–2027** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद संख्या–369/2025
ज्वाला प्रसाद
बनाम
रामानुज मिश्रा आदि

1–रामानुज मिश्रा पुत्र राजबली 2 श्रीमती शिथिला मिश्रा पत्नी रामानुज मिश्रा साकिन बैजीपुर तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती वर्तमान पता पूर्व शाखा प्रबन्धक एस0बी0आई0 निकट सदर ब्लाक कार्यालय ब्लाक रोड गांधी नगर बस्ती

तारीख पेशी 17–12–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या माफक वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

पुलिसकर्मियों ने संविधान के पालन की शपथ लिया



संवाददाता–बहराइच। संविधान दिवस पर गुरुवार को बहराइच पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कार्यक्रम हुआ। एसपी विश्वजीत श्रीवास्तव ने अधिकारियों और कर्मचारियों से संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया। एसपी ने संविधान में दिए न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता के सिद्धांतों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा का आधार है।

उन्होंने कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी है कि कानून का पालन कराते हुए नागरिकों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा करे। एसपी ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से अपने पद और जिम्मेदारियां निष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता से निभाने को कहा।

उन्होंने कहा कि पुलिस के काम में संवैधानिक मूल्यों का पालन और जनता के प्रति जिम्मेदार व्यवहार लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करता है।

कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी और प्रतिसार निरीक्षक दिलीप द्विवेदी समेत अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

जिले के सभी थानों में भी संविधान दिवस मनाया गया। थाना प्रभारियों ने पुलिसकर्मियों को संविधान के प्रति निष्ठा रखने और जिम्मेदारी से अपने कर्तव्य निभाने की शपथ दिलाई।

अदालती नोटिस

सन् 1890 के अधिनियम 8 की धारा 11 के अधीन सूचना
न्यायालय– श्रीमान सत्र न्यायाधीश महोदय जनपद सिद्धार्थनगर
प्रकीर्णवाद संo 74/2026
अजीजूनिशा उर्फ जूबैदा खातून
बनाम
उ०प्र० राज्य /जिलाधिकारी

1–उ०प्र० राज्य /जिलाधिकारी
विपक्षी प्रथम पक्ष

2–साहिद हुसैन उर्फ गुंगा बहरा उर्फ आरिफ हुसैन उम्र 60 वर्ष सा० चम्पापुर तप्पा खजहनी तहसील शोहरतगढ थाना–शोहरतगढ जनपद सिद्धार्थनगर 3–सलमा खातून पुत्री अजीजूनिशा उर्फ जूबैदा खातून पत्नी मोबिन शेख सा० चम्पापुर तप्पा खजहनी तहसील शोहरतगढ थाना–शोहरतगढ जनपद सिद्धार्थनगर हाल पता सा०–झंवा बनकट पोस्ट थाना इकौना जनपद बहराईच उम्र 30 वर्ष 4– अलमा खातून पुत्री अजीजूनिशा उर्फ जूबैदा खातून पत्नी शेहरे आलम सा० चम्पापुर तप्पा खजहनी तहसील शोहरतगढ थाना–शोहरतगढ जनपद सिद्धार्थनगर हाल पता सा०–खडकुड्या पो० थाना शोहरतगढ जनपद सिद्धार्थनगर उम्र 28 वर्ष 5–रोहमी खातून पुत्री अजीजूनिशा उर्फ जूबैदा खातून पत्नी नदीम सा० चम्पापुर तप्पा खजहनी तहसील शोहरतगढ थाना–शोहरतगढ जनपद सिद्धार्थनगर हाल पता– फलैट न० 8 एस० एन० न० 9ए०न०० 03 ए/विंग ग्राउन्ड फलोर इब्राहिम मांन्वन वाकन पाडा नालासोपारा ईस्ट पसई थाना पालघर मुम्बई उम्र 24 वर्ष

7–शेयब पुत्र अजीजूनिशा उर्फ जूबैदा खातून सा० चम्पापुर तप्पा खजहनी तहसील शोहरतगढ थाना–शोहरतगढ जनपद सिद्धार्थनगर। उम्र 22 वर्ष

8–सारिक खान पुत्र अजीजूनिशा उर्फ जूबैदा खातून सा० चम्पापुर थाना–शोहरतगढ जनपद सिद्धार्थनगर उम्र 19 वर्ष 9–फैजल पुत्र अजीजूनिशा उर्फ जूबैदा खातून सा० चम्पापुर तप्पा खजहनी तहसील शोहरतगढ थाना–शोहरतगढ जनपद सिद्धार्थनगर। जरिये संरक्षिका हकीकी माता अजीजूनिशा उर्फ जूबैदा खातून उम्र 17 वर्ष

10–जासिफ खान पुत्र अजीजूनिशा उर्फ जूबैदा खातून सा० चम्पापुर तप्पा खजहनी तहसील शोहरतगढ थाना–शोहरतगढ जनपद सिद्धार्थनगर। जरिये संरक्षिका हकीकी माता अजीजूनिशा उर्फ जुबैदा खातून उम्र 13 वर्ष

–विपक्षी स०–2

11. हामीद हुसैन पुत्र सब्बीर सा० चम्पापुर तप्पा खजहनी तहसील शोहरतगढ थाना–शोहरतगढ जनपद सिद्धार्थनगर उम्र 66 वर्ष

विपक्षी स०–3

12–आम जनता

– विपक्षी स०–4

तारीख पेशी 10–12–2026

को यह सूचना दी जाती है कि उक्त आवेदक ने संरक्षक/वारिस नियुक्त किए जाने के लिए यह आवेदन दिया है अतएव यह सूचना आपत्तिकर्ताओं को उपसंजाति और बाद की पेशी के प्रयोजन के लिए 10–12–2026 दिवस नियत करके निकाली जाती है कि यदि आपको/किसी अवधि के भीतर स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा 10:00 बजे पूर्वाह्न के पूर्व न्यायालय के न्यायालय के उपसंजाति होकर अपनी आपत्ति पेश करें उक्त निर्णित अवधि के अवसान होने की दशा में आपकी किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और के आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित किया जायेगा। सन् 2020 के के दिवस को दिनांकित

द0 हाकिम

विशेष परिवार नियोजन दिवस पर 251 लाभार्थियों को मिली सेवा

संवाददाता–बहराइच। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फखरपुर में परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को विशेष परिवार नियोजन (नियत सेवा) दिवस का आयोजन किया गया। शुभारंभ सीएमओ डॉ. संजय शर्मा ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य परिवार नियोजन की अपूर्ण मांग को पूरा करना तथा लोगों को इसके प्रति जागरूक करना रहा। स्वास्थ्य टीम ने दंपतियों को परिवार नियोजन से जुड़ा आवश्यक परामर्श दिया और इच्छुक लाभार्थियों को बास्केट ऑफ चॉइस के अनुसार विभिन्न साधनों की सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। 251 लाभार्थियों को परिवार नियोजन की सेवाओं से लाभान्वित किया गया। इसमें 36 महिलाओं का नसबंदी के लिए पंजीकरण किया गया, जबकि 82 को अंतरा इंजेक्शन, 7 को आईयूसीडी, 5 को पीपीआईयूसीडी, 41 को छाया गोली, 25 को माला–एन आदि वितरण किया गया।

लोक कला (फोल्क मीडिया शो) के माध्यम से मनोरंजक प्रस्तुति दी गई। इसके साथ ही मोबाइल वैन के जरिए बाल विवाह रोकथाम, अशिक्षा उन्मूलन तथा शिशु एवं मातृ स्वास्थ्य से संबंधित लघु फिल्में, जिंगल्स और रील्स दिखाकर ग्रामीणों को संदेश दिया गया।इस अवसर पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. वासुदेव वर्मा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक मोहम्मद राशिद, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आरबी वर्मा, चिकित्साधिकारी डॉ. शशिभूषण यादव, डॉ. विनोद वर्मा, डॉ. मुकेश मिश्रा, नसबंदी सर्जन डॉ. शिशिर कुमार, ब्लॉक लेखा प्रबंधक रमाकांत पाठक, बीसीपीएम मोहम्मद शकील सिद्दिकी, परामर्शदाता धर्मवीर, पापुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया से डॉ. साफिया जमीर, रामवरन यादव सहित समस्त सीएचओ, स्टाफ नर्स, एएनएम, आशा संगिनी और आशा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आंबेडकर प्रतिमा का हाथ तोड़ा, आक्रोशित लोगों ने दिया धरना



संवाददाता–देवरिया। संविधान दिवस के दिन गुरुवार को गौरीबाजार थाना क्षेत्र के कतौरा गांव में डा.भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त कर दी। प्रतिमा से हाथ तोड़े जाने की सूचना मिलते ही ग्रामीण आक्रोशित हो गए और प्रदर्शन करते हुए धरना पर बैठ गए। बवाल बढ़ने की सूचना पर एएसपी आनंद कुमार पांडेय पुलिस बल के साथ पहुंचे और दोषियों पर सख्त कार्रवाई तथा प्रतिमा नई लगवाने के आश्वासन पर लोग शांत हुए। इस मामले में ग्राम प्रधान की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी में पुलिस जुट गई है।

गौरीबाजार के कतौरा में लगी डा. भीम राव आंबेडकर की प्रतिमा को किसी ने गुरुवार को संविधान दिवस के दिन क्षतिग्रस्त कर दिया। प्रतिमा का हाथ टूटा मिलने पर ग्रामीण आक्रोशित हो गए और प्रतिमा के सामने बैठ कर धरना–प्रदर्शन करने लगे। ग्रामीणों का आरोप था कि गांव में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को फिर से क्षतिग्रस्त किया गया है। ऐसी घटना से समाज के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। सूचना मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक आनंद पांडेय और सीओ राजेश चतुर्वेदी मौके पर पहुंचे।

अधिकारियों ने नई प्रतिमा लगवाने और घटना के संबंध में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार करने का भरोसा दिलाया। इसके बाद ग्रामीण धरना खत्म करने के लिए राजी हुए। ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले भी गांव में दो बार डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त की जा चुकी है। उन्होंने प्रतिमा की सुरक्षा के इंतजाम करने और ऐसी घटना दोबारा न होने देने की मांग की। अधिकारियों ने जरूरी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

क्षेत्राधिकारी रुद्रपुर राजेश चतुर्वेदी ने कहा कि कतौरा गांव में डा.भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा कमिसी ने क्षतिग्रस्त किया है। ग्राम प्रधान की तहरीर पर केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

किन्नर पति की हत्या का खुलासा, क्षेत्र के बंटवारे की रंजिश में हुई थी फायरिंग, 6 आरोपित गिरफ्तार



संवाददाता–गोरखपुर। रविकेश गौतम हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या की साजिश में शामिल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 2 अवैध पिस्टल, 5 कारतूस, 4 मोबाइल फोन, एक कार और एक बाइक बरामद की गई है। यह हत्या गगहा में 19 नवंबर में हुई थी। पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या की वजह इलाके के बंटवारे को लेकर दो किन्नरों के बीच चल रही रंजिश थी। आरोप है कि मनचली उर्फ सन्नी किन्नर ने बिजली किन्नर और उनके पति रविकेश को रास्ते से हटाने के लिए साजिश रची थी। वारदात को अंजाम देने वाला शूटर शेरू उर्फ मिंत्रपाल अभी फरार है।

गगहा पुलिस ने गुरुवार तड़के 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें आजमगढ़ के जीयनपुर थाना क्षेत्र के महरुपुर निवासी धर्मप्रकाश उर्फ अंकित कुमार, मऊ के गोहना मोहम्मदाबाद निवासी करन कुमार, दुर्गेश कुमार उर्फ लालू और सूरज कुमार शामिल हैं। इनके अलावा गोला की मनचली उर्फ सन्नी किन्नर और गगहा के सोनाईचा निवासी अजय शर्मा को भी पकड़ा गया है। पुलिस के मुताबिक, मनचली इस हत्याकांड की मास्टरमाइंड है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से दो .32 बोर की पिस्टल, पांच कारतूस, चार मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल कार व बाइक बरामद हुई है।

पुलिस लाइन के व्हाइट हाउस में गुरुवार को एसपी साउथ दिनेश पुरी ने बताया कि 19 नवंबर 2026 को बिजली किन्नर अपने पति रविकेश गौतम और कुछ अन्य लोगों के साथ ग्राम भैंसा बाजार से लौट रही थीं। इसी दौरान कलानी मोड़ के पास कार सवार बदमाशों ने उन पर फायरिंग कर दी। इस हमले में रविकेश गौतम की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि बिजली किन्नर घायल हो गई थीं। घटना के बाद गगहा थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की थी।

पुलिस की पूछताछ में पता चला कि मनचली उर्फ सन्नी किन्नर की बिजली किन्नर से इलाके के बंटवारे को लेकर पुरानी रंजिश थी। इसी के चलते उसने बिजली किन्नर और उनके पति रविकेश की हत्या की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार, मनचली ने अजय शर्मा उर्फ दुर्गेश शर्मा के जरिए शेरू उर्फ मिंत्रपाल से संपर्क किया था। इसके बाद शेरू के माध्यम से शूटरों को हत्या के लिए तैयार किया गया। वारदात के बाद से शेरू फरार है। पुलिस अब शेरू उर्फ मिंत्रपाल और अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में फरार आरोपियों के बारे में और जानकारी जुटाई जाएगी। इस हत्याकांड का खुलासा करने में सर्विलांस, स्वाट, एसओजी और एंटीथेफ्ट टीम की अहम भूमिका रही। कार्रवाई में प्रभारी सर्विलांस सेल छोटेलाल, सुनील कुमार राय, राणा प्रताप सिंह, आशुतोष राय, उपनिरीक्षक रवि सिंह, नदीम खान, विकास सिंह और कांस्टेबल राजकुमार यादव, आनंद प्रधान व अफजल खान शामिल रहे।

ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम



–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। नेशनल इंटर कॉलेज के प्रांगण में गुरुवार को हरैया ब्लॉक की ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी विवेक कुमार द्विवेदी की अगुवाई में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ हरैया विधायक अजय सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि योगेंद्र सिंह और समासद धर्मध्वज सिंह ने किया। इस दौरान परिदीय विद्यालयों के नन्हे खिलाड़ियों ने दौड़, कबड्डी, खो–खो, कूद सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के समापन पर विधायक, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि और समासद ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया।

प्राथमिक संवर्ग बालक वर्ग की 50 मीटर एवं 200 मीटर दौड़ में उमरिया गुप्तार के कन्हैया तथा 100 मीटर दौड़ में बड़ेरिया कुंवर के जूना कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राथमिक संवर्ग बालिका वर्ग की 50 मीटर दौड़ में निपनिया की अलीमुन, 100 मीटर में इसी विद्यालय की समीकन तथा 200 मीटर दौड़ में रेवराडास की संध्या प्रथम रही। उच्च प्राथमिक संवर्ग बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में बड़ेरिया कुंवर के सौरभ तथा 200 मीटर में उमरिया गुप्तार के राजगौड़ ने बाजी मारी। वहीं बालिका वर्ग की 100 एवं 200 मीटर दोनों दौड़ प्रतियोगिताओं में पिकौरा की जानकी प्रथम स्थान पर रहीं।कबड्डी बालक वर्ग में मझौवा बाबू की टीम विजेता और कीर्तिदौलतपुर की टीम उपविजेता रही। बालिका वर्ग में कीर्तिदौलतपुर ने खिताब अपने नाम किया, जबकि डुडवा मिश्र की टीम उपविजेता रही। खो–खो प्राथमिक संवर्ग बालिका वर्ग में निपनिया विजेता तथा सकरदहा उपविजेता रहा। उच्च प्राथमिक संवर्ग बालिका वर्ग में डुडवा मिश्र और बालक वर्ग में केशवपुर की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

ब्लॉक व्यायाम शिक्षक सर्वदेव सिंह की देखरेख में खेल शिक्षक पवन मिश्र, दीपक सिंह, उत्तम वर्मा, आदित्य उपाध्याय, सुनील कन्नौजिया, संजीव गौतम, राजकुमार गौतम, जितेंद्र, कपिलदेव वर्मा, प्रीति त्रिपाठी, मिथलेश कुमार एवं पुरुषोत्तम ने मैच रेफरी की भूमिका निभाई। अभिलेखीय कार्य देवेंद्र शुक्ल, योगेश सिंह, सुभाष वर्मा एवं मानिकराम वर्मा ने संभाला। वहीं साज–सज्जा एवं रंगोली की जिम्मेदारी मीरा चौधरी, भारती शुक्ला, मधु सिंह, निरुपमा तिवारी, सोनिया, मंजरी श्रीवास्तवा, उमा पाण्डेय, वार्डन रोली सिंह एवं कस्तूरबा विद्यालय की छात्राओं ने निभाई। कार्यक्रम का संचालन गिरजेश बहादुर सिंह ने किया। इस अवसर पर एआरपी संतोष कुमार शुक्ल, मनोज मिश्र, काशीराम वर्मा, राजीव शुक्ल, शिक्षक नेता राजकुमार तिवारी, रामसागर वर्मा, विकास पाण्डेय, राम पियारे, ओम प्रकाश, प्रमोद त्रिपाठी, विवेक कान्त पाण्डेय, उदय शंकर पाण्डेय, चिन्मय राय, अखिलेश सिंह, मनीष पाण्डेय, उमेश सिंह, उदय प्रताप सिंह, अमरचंद वर्मा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

25 विद्यालयों के लगभग 1,250 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा, आकर्षक मार्च पास्ट से गूंजा स्टेडियम

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ (एनएवाई) के तत्वावधान में तीन दिवसीय बस्ती खेल संगम का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन कर्नल के.सी. मिश्रा एवं अभय पाल ने फीता काटकर किया। इससे पूर्व भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलन कर खेल आयोजन का विधिवत शुभारंभ किया गया।



उद्घाटन समारोह में विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र–छात्राओं ने आकर्षक मार्च पास्ट निकालकर खेल भावना, अनुशासन और एकजुटता का परिचय दिया। मार्च पास्ट के दौरान पूरा स्टेडियम खिलाड़ियों के उत्साह और तालियों की गूंज से सराबोर रहा। इस वर्ष बस्ती खेल संगम में जिले के 25 विद्यालयों के लगभग 1,250 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। समारोह में बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक, खेल प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

खेल संगम में छह खेल वर्गों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इनमें वॉलीबॉल, फुटबॉल, कबड्डी बालक वर्ग, कबड्डी बालिका वर्ग, बैडमिंटन बालक वर्ग एवं बैडमिंटन बालिका वर्ग शामिल हैं। प्रतियोगिताओं में विद्यालयों की टीमों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और खिलाड़ियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा देखने को मिली।

इस आयोजन में आरसीसी स्कूल, श्रीराम पब्लिक स्कूल, एसएनएसवी हरैया स्कूल, एसएसईएस हरैया स्कूल, रामबाग बॉयज स्कूल, रामबाग गर्ल्स स्कूल, सेंट जेवियर स्कूल, जागरण पब्लिक स्कूल, बेगम खैर, राजकीय इंटर कॉलेज, उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी, शुभम ग्लोबल स्कूल, जयपुरिया स्कूल, डॉन बॉस्को स्कूल, यूनिक साइंस एकेडमी, यूनिक ग्लोबल स्कूल, फीनिक्स स्कूल, डेली स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, जीवीएम कॉन्वेंट स्कूल, आरएलएसएमडीआईएस स्कूल, आरडीसीएस टेनिच स्कूल, सीएमएस स्कूल, ओमनी स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर शिवा कॉलोनी एवं श्रीनेत ग्लोबल स्कूल के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिताओं को तकनीकी रूप से सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में शिव प्रकाश सिंह, विवेक पांडेय, रमेश चौधरी, अभिषेक सिंह, कमर खलील, ज्ञान उपाध्याय, दीप पटेल एवं विजय चौधरी सहित अनेक लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं आयोजन के संयोजन में प्रमुख रूप से रामप्रताप सिंह, काजी फरजान, हेमंत पांडेय, यथार्थ श्रीवास्तव, अंकुर उपाध्याय एवं अमित राय सहित अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

इस अवसर पर नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ के अध्यक्ष भावेश पांडेय ने सभी अतिथियों, सहयोगियों, विद्यालय प्रबंधनों, प्रधानाचार्यों, शिक्षकों, प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों एवं अभिभावकों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बस्ती खेल संगम का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है, ताकि बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और आगे बढ़ने के अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं हैं, बल्कि बच्चों में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और आपसी सहयोग की भावना विकसित करने का भी महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इस आयोजन में जिस उत्साह और बड़ी संख्या में विद्यालयों की सहभागिता देखने को मिली है, वह बस्ती में खेल संस्कृति के विकास की दिशा में सकारात्मक संकेत है। उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यालयों और खिलाड़ियों को आयोजन का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से जिले की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। पहले दिन विभिन्न खेलों में रोमांचक मुकाबले हुए। पहले दिन अपने मुकाबले जीतने वाली टीमें एवं खिलाड़ी अगले चरण में प्रवेश करेंगे। प्रतियोगिताओं का सिलसिला 27 नवंबर को भी अनवरत जारी रहेगा। आगामी दिनों में विभिन्न विद्यालयों की टीमों के बीच और भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। बस्ती खेल संगम का पहला दिन उत्साह, अनुशासन, खेल भावना और व्यापक विद्यालयी सहभागिता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संविधान की प्रस्तावना पढ़ी, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का लिया संकल्प



संवाददाता–गोरखपुर। संविधान दिवस पर गुरुवार को नगर निगम सभागार में अधिकारियों और कर्मचारियों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया। इस दौरान सभी ने संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता के आदर्शों को आत्मसात करने के साथ देश की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में नगर निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।शासन के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में अधिकारियों–कर्मचारियों ने भारत को संपूर्ण प्रभुत्व–संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष और लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। साथ ही संविधान के मूल्यों और उसकी मर्यादाओं का पालन करने की शपथ ली।

इस अवसर पर नगर आयुक्त अजय जैन ने कहा कि संविधान केवल देश की शासन व्यवस्था का आधार नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के अधिकारों और कर्तव्यों का मार्गदर्शक भी है। सरकारी सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों की जिम्मेदारी है कि वे निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर आयुक्त अजय जैन ने की। अपर नगर आयुक्त गौरव रंजन श्रीवास्तव, अतुल कुमार और प्रमोद कुमार, अधिशासी अभियंता अमित शर्मा समेत विभिन्न विभागों के अध्यक्ष उपस्थित रहे।

मामा पर घर संभालने आई भांजी से दुष्कर्म का आरोप

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। रिश्तों की मर्यादा और भरोसे को शर्मसार करने वाला एक गंभीर मामला जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के एक गांव से सामने आया है। घर के कामकाज में सहयोग के लिए मायके में रह रही एक युवती की 18 वर्षीय बेटी के साथ रिश्ते में मामा लगने वाले युवक पर दुष्कर्म का आरोप है। आरोप है कि युवती के नौ माह की गर्भवती होने की जानकारी सामने आने के बाद आरोपी और उसके परिजनों ने उसे घर से निकालने का प्रयास शुरू कर दिया। प्रताड़ना और जान से मारने की धमकियों से भयभीत पीड़िता की मां ने गुरुवार को जहांगीरगंज थाने पहुंचकर शिकायती पत्र दिया और आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि आजमगढ़ जनपद के कंधरापुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला की पुत्री पिछले करीब एक वर्ष से जहांगीरगंज थाना क्षेत्र स्थित अपने ननिहाल में रह रही थी। उसे घर का कामकाज संभालने के लिए महिला के चाचा ने बुलाया था। इसी दौरान रिश्ते में मामा लगने वाले युवक ने कथित तौर पर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया।

मामूली कोहरे में एनएच–27 पर भीषण हादसा, दो की मौत

संवाददाता–अयोध्या। लखनऊ–अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग–27 पर कुबवार/गुरुवार की मध्य रात करीब 1:30 बजे मामूली कोहरे के बीच भीषण सड़क हादसा हो गया। पीछे से आ रही डीसीएम ने दो अर्टिगा कारों और एक बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार और एक अर्टिगा चालक की मौत हो गई, जबकि एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार कुवारध्गुवार की मध्य रात करीब 1:30 बजे लखनऊ से अयोध्या की ओर जा रही दो अर्टिगा कार और एक बाइक को पीछे से आ रही डीसीएम ने टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी रुदौली पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने बाइक सवार शिवओम सिंह (45) पुत्र गया प्रसाद सिंह निवासी हाजीपुर, थाना रौनाही जनपद अयोध्या व अर्टिगा चालक इम्तियाज अली (28) पुत्र समी मोहम्मद निवासी मांझीरिया रंजीत, पोस्ट भेलखा, थाना कोतवाली बस्ती को मृत घोषित कर दिया। वहीं, बाइक सवार संजीव सिंह (36) पुत्र रविंद्र सिंह निवासी बनकोट, थाना सुबेहा जनपद बाराबंकी की हालत गंभीर होने पर उसे दर्शननगर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

कांग्रेस संविधान सम्मान का ढोंग करती है –अनिल राजभर

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। संविधान दिवस पर सिद्धार्थनगर पहुंचे उत्तर प्रदेश के श्रम, रोजगार एवं सेवायोजन मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री अनिल राजभर ने कांग्रेस पर संविधान और डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया। प्राथमिक विद्यालय सनई के औचक निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में राजभर ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान का विरोध किया और बाबा साहब के खिलाफ साजिश की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक रूप से पीछे होने के बाद कांग्रेस को बाबा साहब का संविधान याद आ रहा है। राजभर ने दावा किया कि कांग्रेस की सरकारों ने देश में करीब 100 बार चुनी हुई सरकारें हटाईं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक कांग्रेस ने जम्मू–कश्मीर में डॉ. भीमराव अंबेडकर का संविधान लागू नहीं होने दिया। राजभर ने बाबा साहब को भारत रत्न देने में हुई देरी का मुद्दा भी उठाया।

संयुक्त किसान मोर्चा ने धरना–प्रदर्शन कर मनाया किसान प्रतिवाद दिवस

संवाददाता–अयोध्या। संविधान दिवस और ऐतिहासिक किसान आन्दोलन के छह वर्ष पूरे होने पर संयुक्त किसान मोर्चा ने गुरुवार को तहसील सदर स्थित तिकोनिया पार्क में किसान प्रतिवाद दिवस मनाया। साथ ही धरना प्रदर्शन कर सभा की। सभा की अध्यक्षता संयुक्त किसान मोर्चा संयोजक मया राम वर्मा ने तथा संचालन भाकपा माले जिला प्रभारी अतीक अहमद ने किया। सभा को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि जिन कानूनों को किसानों ने सड़कों पर उतर कर वापस कराया था। उन्हें अब व्यापार समझौतों, नये कोड, अधिसूचनाओं और साप्टवेयर के जरिए फिर से लागू किया जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि जो सरकार अपने ही किसानों से किए गए लिखित वादों को तोड़ती है, उसे अब किसानों का भरोसा पाने का कोई हक नहीं है।

वक्ताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किए गए वादों को फिर से तोड़ागया तो ग्रामीण भारत सड़कों पर उतर कर जवाब देगा, ठीक वैसे ही जैसे छः साल पहले किया गया था। धरना प्रदर्शन के माध्यम से भारत अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते को रद्द करने, एमएसपी के तहत सभी फसलों की कानूनी गारण्टी देने, किसानों के कर्ज माफ करने, बिजली विधेयक और बीज विधेयक 2025 वापस लेने, निजीकरण बन्द करने, स्मार्ट मीटर योजना बन्द करने, जमीन का जबरन अधिग्रहण रोकने, चार श्रम संहिताओं को रद्द कर सभी श्रमिकों के बयालीस हजार रुपए न्यूनतम मासिक वेतन तय करने आदि मांगों से संबंधित राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा गया। सभा को किसान सभा के राज्य सचिव अशोक कुमार तिवारी, माकपा जिला सचिव अशोक यादव, किसान सभा के जिला सचिव मया राम वर्मा, भाकियू नेता कमला प्रसाद बागी, फारवर्ड ब्लाक संयोजक हरीशचंद्र श्रीवास्तव, किसान नेता उदयचंद यादव, ओमप्रकाश यादव, बाबू राम यादव, अयोध्या प्रसाद तिवारी, कृष्ण कुमार मौर्य, राजकुमार प्रधान आदि नेताओं ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर अभयराज ब्रह्मचारी, राजेन्द्र प्रसाद वर्मा, जगदीश वर्मा, पन्ना लाल, सुरेन्द्र कुमार, विश्राम प्रजापति, मनोज कुमार, रामसुख पाल, रविशंकर, रतिपाल, मुनिराम, बलराम यादव, दृगपाल वर्मा, मस्तराम वर्मा, राम करन, राधेश्याम विमल, खुशी राम निषाद, परशुराम निषाद, भवानी प्रसाद पाल मौजूद रहे।

नौका विहार में दो धमाकों के बाद झील में कूदे पांच लोग

संवाददाता–गोरखपुर। महानगर के रामगढ़ ताल क्षेत्र के नौका विहार में गुरुवार को लगातार दो बम धमाकों की सूचना मिलते ही पूरा इलाका दहल उठा। धमाकों के बाद मची भगदड़ में पांच युवक जान बचाने के लिए रामगढ़ ताल झील में कूद गए। सूचना मिलते ही पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड, नागरिक सुरक्षा, स्वास्थ्य विभाग, एम्स और आपदा मित्रों ने मिलकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान 17 लोगों को घायल बताया गया, जिनमें 12 को बम धमाके में घायल होने और पांच को झील में डूबने के बाद हालत गंभीर होने की सूचना मिली। यह घटना दरअसल आपदा प्रबंधन की तैयारी परखने के लिए आयोजित मॉक ड्रिल का हिस्सा थी। स्मॉग ड्रिल का आयोजन एम्स, आपदा प्रबंधन विभाग, स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन ने मिलकर किया था। गुरुवार सुबह करीब 11:44 बजे रामगढ़ ताल पुलिस चौकी ने कंट्रोल रूम को सूचित किया कि बड़े तिरंगे के पास बनी पार्किंग में बम विस्फोट हुआ है। जिसमें कई लोग हताहत हुए हैं। इसके तुरंत बाद दूसरा धमाका हुआ। दोनों धमाकों के बीच करीब एक मिनट का अंतर रहा।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– /

क0 वाद सं0– T202617140316422

अदालत– श्रीमान अति0 अधिकारी प्रथम महोदय बस्ती जिला बस्ती

बकरीदी अली

बनाम

दीपक कुमार आदि

1. दीपक कुमार पुत्र रामलोचन 2. कृष्ण कुमार 3. रामचन्दर 4. विष्णु प्रसाद 5. रामकुमार पुत्रगण रामनरायन 6. रमाकान्त पिसर मुतवना पुत्र तमेसर 7. उमाकान्त पुत्र रामआसरे 8. रामसन्त 9. राम प्रसाद पुत्रगण बृजमोहन 10. रामकृष्ण 11. रामलौटन पुत्रगण मुन्द्रिका 12. विनोद कुमार पुत्र रामजतन 13. श्रीमती अमरावती पत्नी रामजतन 14. प्रभावती देवी पत्नी ज्वाला प्रसाद 15. सतीश चन्द्र दूबे 16. मुनी कुमार दूबे पुत्रगण ज्वाला प्रसाद 17. संभावती देवी पत्नी वशिष्ठ 18. संजीव कुमार उपाध्याय 19. मनोज कुमार 20. कमलेश कुमार उपाध्याय 21. शैलेन्द्र कुमार उपाध्याय पुत्रगण वशिष्ठ प्रसाद 2. विजय कुमार पुत्र प्रमात्मा प्रसाद साकिनान मौजा महमूदपुर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 23. राजेश कुमार त्रिपाठी पुत्र विजय शंकर त्रिपाठी साकिन महमूदपुर हाल मुकाम वार्ड नं0–9 संसारनगर हरैया जिला बस्ती 24. जनार्दन 25. चन्द्र प्रसाद पुत्रगण गोमती 26. राजबहादुर 27. शिवशंकर पुत्रगण ओंकार साकिना मौजा रामपुर बैरिहवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 28. कमला प्रसाद 29. गौरी शंकर 30. कृष्ण चन्द्र पुत्रगण सत्यनरायन साकिन भरवारा तहसील हरैया जिला बस्ती 31. ज्वाला प्रसाद पुत्र जयकरन 32. प्रेमशंकर पुत्र लाल बिहारी 33. अशोक कुमार दूबे 34. कमलेश कुमार दूबे पुत्रगण अभिनाश चन्द्र साकिनान मौजा कटया तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 35. बरखू पुत्र मंगरू 36. रामसजन पुत्र फेरई 37. श्रीकृष्ण पुत्र रामअचल 38. रामसुरेश पुत्र रामदास 39. रामशंकर पुत्र भोला साकिनान मौजा कमडहिया तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

40. गांव पंचायत महमूदपुर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती द्वारा गांव पंचायत प्रधान –प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 09–12–2026

वाजेह हो कि ने ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 09 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सरूश हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलात करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 20 माह 11 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–2990/2022

धारा 34 उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार खेसरहा बांसी जिला सिद्धार्थनगर

ओम प्रकाश

बनाम

मुहुल उर्फ मुहुल आदि

बावत ग्राम गेगता तप्पा हाटा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

1. नन्दलाल 2. रामसुमेर पुत्रगण मुहुल उर्फ मुहुल 3 गिरीश 4. हरीश 5. विनय पुत्रगण शत्रुहन 6. सुभावती पत्नी शत्रुहन निवासीगण ग्राम बंजरहा बुजुर्ग तप्पा हाटा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 15–12–2026

वाजेह हो कि ने ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 15 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सरूश हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलात करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 26 माह 11 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

कार्यालय ग्राम पंचायत करमाकला वि.ख. रूधौली, बस्ती

अल्पकालिक निविदा वर्ष 2026–27

ग्राम पंचायत करमाकला, वि.ख. रूधौली में वीबी जी राम जी/रा0वि0आ0/15वां वित्त/ स्वच्छ भारत मिशन / सांसद / विधायक एवं अन्य योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026–27 में स्वीकृत एवं कराये जाने वाले कार्यों हेतु सामग्री हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ता जो आयकर एवं व्यापारकर में पंजीकृत हो, फर्म जी.एस.टी. के अन्तर्गत रजिस्टर्ड हो, लोक निर्माण विभाग के मानक विशिष्टियों पर कार्यस्थल तक सीमेन्ट, भवन निर्माण के लिए ईंट, इण्टरलॉकिंग ईंट, सड़क निर्माण कार्य एवं नाली निर्माण कार्य में उपयोग की समस्त सामग्री, आंगनबाड़ी केन्द्र, भवन व पंचायत भवन, व्यक्तिगत शौचालय, सामुदायिक शौचालय निर्माण की सामग्री, कांटेजेंसी अन्तर्गत ऑफिस उपयोग की सामग्री, प्रशासनिक मद, पुस्तकालय, अन्त्येष्टि स्थल अन्तर्गत, खेल मैदान क्रय की जाने वाली सामग्री, एसओबी ईंट, सीमेन्ट, साधारण बालू, मोरंग, सरिया, सोलर लाइट, ह्यूम पाइप, बोर्ड, डस्टबिन, इण्डिया मार्का–2, हैण्डपम्प मरम्मत में प्रयुक्त पार्ट, टायल्स, दरवाजा, शौचालय सीट, फागिंग मशीन, ठेला, सेनिटाइजेशन सामग्री प्रचार प्रसार हेतु, वाल पेंटिंग, सफाई किट, मच्छर रोधी फागिंग किट सप्लाई आदि सामग्री हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रकाशन के समय से ही निविदा फार्म ग्राम पंचायत के कार्यालय से प्राप्त एवं जमा किया जा सकता है। दिनांक 27.11.2026 से 02.12.2026 समय 11 बजे तक निविदा फार्म मिलेगा और दिनांक 03.12.2026 को 2 बजे निविदा खोली जायेगी। आपूर्तिकर्ता प्रतिनिधि की उपस्थिति में ग्राम पंचायत कार्यालय में निविदा खोली जायेगी। नियम व शर्तें निविदा फार्म में वर्णित है एवं जीएसटी व अन्य कर सहित निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। धरोहर राशि मु0 5000–00 (पांच हजार) होगी।

ग्राम प्रधान–धर्मराज
ग्राम पंचायत–करमाकला
वि.ख.–रूधौली, बस्ती

सचिव–विवेकानन्द
ग्राम पंचायत–करमाकला
वि.ख.–रूधौली, बस्ती

पत्रांक:– मेमो
दिनांक:–26.11.2026

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com